epaper.dehatsandesh.com

3 बेरोजगार युवाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

5 गिल आईसीसी प्लेयर आफ द मंथ की दौड़ में

8 जत्रोफा - लाभकारी पौधा

मौसम जम्मू
न्यूनतम 10
अधिकतम 24

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-62 | जम्मू तवी, रविवार 09 मार्च, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

सरकार जम्मू-कश्मीर में सैटेलाइट टाउनशिप स्थापित करने का इरादा रखती है: मुख्यमंत्री

जम्मू, 8 मार्च। जम्मू-कश्मीर सरकार ने सोमवार को कहा कि वह केंद्र शासित प्रदेश में अनियोजित शहरी विस्तार को रोकने और लोगों की आवास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सैटेलाइट टाउनशिप स्थापित करने का इरादा रखती है।

आवास और शहरी विकास विभाग के प्रभारी मुख्यमंत्री उमर ने पुलवामा के विधायक वहीद-उर-रहमान पारा के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि हां सरकार जम्मू-कश्मीर में सैटेलाइट टाउनशिप स्थापित करने का इरादा रखती है। हम अनियोजित शहरी विस्तार को रोकना चाहते हैं और लोगों की आवास आवश्यकताओं को पूरा करना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाउसिंग बोर्ड ने जम्मू-कश्मीर में सैटेलाइट टाउनशिप के लिए जम्मू-कश्मीर में नौ स्थानों पर 1298.28

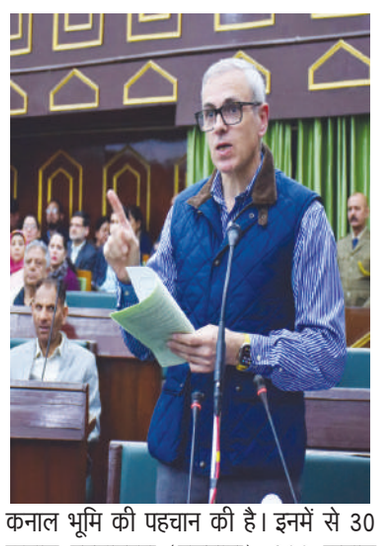

कनाल भूमि की पहचान की है। इनमें से 30 कनाल पदगामपुरा (पुलवामा), 200 कनाल वाटापोरा (बांदीपोरा), 85 कनाल भलवाल (जम्मू), 81.48 कनाल चनग्रान (कठुआ), 353.35 कनाल छत्तरहामा (श्रीनगर), 214 कनाल बकुरा (गांदरबल), 248.65 कनाल चक भलवाल (जम्मू), 69 कनाल च्वाद्धि (जम्मू) और 16.80 कनाल कनुइयन (पुंछ) में चिह्नित किए गए हैं।

पूरक प्रश्न पूछते हुए विधायक पुलवामा वहीदुर्रहमान पारा ने कहा कि टाउनशिप का विचार डरावना है और जनसांख्यिकीय इंजीनियरिंग और पर्यावरणीय आपदाओं के डर को बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि सरकार को जम्मू और कश्मीर के लोगों की परिभाषा पर स्पष्ट होना चाहिए क्योंकि यह बहुत अस्पष्ट है। पारा ने कहा कि सैटेलाइट टाउनशिप स्थापित करने के बारे में सरकार की स्वीकारोक्ति मुख्यमंत्री के पहले के बयान के विपरीत है जिसमें उन्होंने कहा था कि सैटेलाइट टाउनशिप के लिए कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

कठुआ में एक बच्चे समेत तीन लापता व्यक्तियों के शव बरामद, पुलिस ने आतंकी घटना से किया इंकार

मौतों के पीछे की सच्चाई और परिवारों को न्याय दिलाने के लिए निष्पक्ष जांच की उठी मांग

कठुआ 08 मार्च । दो दिनों से लापता 14 वर्षीय बच्चे समेत तीन व्यक्तियों के शव शनिवार को बिलावर कठुआ की ऊपरी पहाड़ियों में एक नाले से बरामद किए गए। हालांकि पुलिस ने इसमें आतंकी घटना से इंकार किया है। वहीं बिलावर के फिंतर क्षेत्र में इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों ने यूटी प्रशासन के खिलाफ रोष व्यक्त किया है।

जानकारी के अनुसार तीनों 6 मार्च की शाम को लोहाई मल्हार में अपने घरों से लगभग 8 बजे क्षेत्र में एक शादी में शामिल होने के लिए निकले थे। जब वे वापस नहीं लौटे तो स्थानीय लोगों और अधिकारियों द्वारा उनकी खोजबीन

शुरू की गई। लगभग 60 घंटों की गहन खोजबीन के बाद उनके शवों को ड्रोन का उपयोग करके खोजा गया और बाद में बचाव दल द्वारा बरामद किया गया। मृतकों की पहचान जोगेश सिंह उम्र 35 वर्ष निवासी गांव मरहून, दर्शन सिंह उम्र 40 वर्ष और बरून सिंह उम्र 14 वर्ष दोनों निवासी गांव देहोता बिलावर के रूप में हुई है। हालांकि अधिकारियों ने आतंकवाद के किसी भी पहलू से इनकार किया है लेकिन उनकी मौत के आसपास की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए पुलिस जांच जारी है।

एक सामाजिक कार्यकर्ता ठाकुर लेख राज ने इस घटना के क्रम में भारत के माननीय गृह मंत्री से पत्र लिखकर अपील की है कि इस चैंकाने वाली और रहस्यमयी घटना ने स्थानीय समुदाय में भय पैदा कर दिया है। उन्होंने तीन मौतों के पीछे की सच्चाई का पता लगाने और उनके परिवारों को न्याय दिलाने के लिए गहन और निष्पक्ष जांच की मांग की हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने स्थानीय प्रशासन से भी अपील की है कि दूरदराज के क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

पुलिस ने दो घोषित अपराधियों की 38.91 लाख रुपये की संपत्ति कुर्क की

जम्मू, 8 मार्च । सोपोर पुलिस ने चल रही जांच के सिलसिले में दो घोषित अपराधियों की 38,91,250 रुपये की संपत्ति कुर्क की है। पुलिस ने मीडिया को दिए एक बयान में कहा कि पुलिस स्टेशन सोपोर ने 4 कनाल और 9 मरला बाग की जमीन कुर्क की, जिसकी कीमत 21,13,750 रुपये है, जो यंबरजलवारी निवासी अली मोहम्मद रेशी के बेटे इरशाद अहमद रेशी की है। इसके अलावा हरवान बोमई निवासी मोहम्मद सुभान मीर के बेटे बशीर अहमद मीर की 2 कनाल और 5 मरला बाग की जमीन भी कुर्क की गई जिसकी कीमत 17,77,500 रुपये है। यह कार्रवाई ईएमसीओ के तहत सक्षम प्राधिकारी से मंजूरी मिलने के बाद पुलिस और राजस्व अधिकारियों की संयुक्त टीम ने की है।

अधिकारियों ने कहा कि यह कदम गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों पर चल रही कार्रवाई का हिस्सा है। सोपोर पुलिस ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरों का मुकाबला करने और क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

बडगाम में अनधिकृत खनन के लिए एक निजी कंपनी पर 80 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया : उपमुख्यमंत्री

जम्मू, 8 मार्च। जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने शनिवार को सदन को बताया कि बडगाम जिले में अनधिकृत खनन के लिए एक निजी कंपनी पर 80 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इस मुद्दे को विधानसभा में विधायक खान साहब, सफीउद्दीन-भट ने उठाया और सदन के ध्यान में लाया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बडगाम खनिज अधिकारी ने लैनिलैब बसंत वुडर में शालिगनागा नाले में अनधिकृत खनन के लिए मेसर्स एनकेसी प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। यह कार्रवाई 2 मार्च को सोशल मीडिया पर एक वीडियो के प्रसारित होने के बाद की गई है जिसमें अवैध गतिविधि को उजागर किया गया था। चौधरी ने कहा कि भूविज्ञान और खनन निदेशालय से रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद डीएमओ बडगाम ने दावों की पुष्टि करने के लिए एक टीम को साइट पर भेजा। उन्होंने कहा कि जांच करने पर यह पुष्टि हुई कि कंपनी ने बिना परमिट प्राप्त किए नाला मुख से लगभग 300 मीट्रिक टन की अनधिकृत निकासी के लिए लोगों और मशीनों को लगाया था। उन्होंने बताया कि इसके जवाब में कंपनी के परियोजना प्रबंधक को एक औपचारिक नोटिस (दिनांक 3 मार्च, 2025) जारी किया गया जिसमें सभी अवैध खनन गतिविधियों को तत्काल बंद करने और प्रासंगिक दस्तावेज प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने बताया कि खनन में प्रयुक्त मशीनरी को जब्त कर लिया गया है।

सरकार ने जम्मू-कश्मीर में 498 लाभार्थियों को आवास के लिए 5 मरला भूमि आवंटित की, 442 विचाराधीनः ग्रामीण विकास मंत्री

जम्मू, 8 मार्च। ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री जावेद अहमद डार ने विधानसभा में एम.वाई. तारिगामी द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए आज कहा कि पीएमएवाई-जी की आवास प्लस श्रेणी के तहत लगभग 498 लाभार्थियों को आवास के लिए 5-5 मरला भूमि आवंटित की गई है, जबकि जम्मू-कश्मीर में राजस्व अधिकारियों के पास 442 मामले विचाराधीन हैं।

उन्होंने कहा कि इसी तरह, योजना के तहत आठ लाभार्थियों को आवास निर्माण के लिए पांच मरला भूमि आवंटित की गई है।

उन्होंने बताया कि जिन परिवारों के पास अपनी भूमि नहीं है, उन्हें पीएमएवाई के तहत आवासीय घरों के निर्माण के लिए 05 मरला भूमि प्रदान की जा रही है।

भूमि राजस्व विभाग द्वारा सत्यापन के अधीन प्रदान की जा रही है।

मंत्री ने बताया कि भूमिहीन पृष्ठभूमि के विस्तारित परिवारों को पात्रता और समय-समय पर जारी की जाने वाली योजना के दिशानिर्देशों के अधीन भूमि आवंटन के लिए विचार किए जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन में उचित मुआवजा और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 जम्मू-कश्मीर में लागू है और मुआवजा उक्त अधिनियम की धारा 27 और धारा 30 की उपधारा (2) में निहित प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जाता है। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में भूमि प्रदाता को दिया जाने वाला मुआवजा बाजार दर से दोगुना है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह चार गुना है।

जम्मू-कश्मीर पर 125025 करोड़ रुपये का भारी कर्ज :सरकार

जम्मू, 8 मार्च । जम्मू-कश्मीर सरकार ने शनिवार को खुलासा किया कि केंद्र शासित प्रदेश पर 125025 करोड़ रुपये का भारी कर्ज है।

हंदवाड़ा के विधायक सज्जाद गनी लोन के प्रश्न के लिखित उत्तर में वित्त विभाग के प्रभारी मंत्री उमर अब्दुल्ला ने खुलासा किया कि राज्य विकास ऋण व भारतीय रिजर्व बैंक ऋण, बातचीत से लिए गए ऋण, राष्ट्रीय बचत लघु कोष (एनएसएसएफ), भारत सरकार के अग्रिम, अर्थोपाय अग्रिम व ओवरड्राफ्ट, सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ), रिजर्व और जमा, उदय पावर बांड सहित जम्मू-कश्मीर का कुल ऋण पोर्टफोलियो 125205 करोड़ रुपये है।

वित्त विभाग के जवाब के अनुसार एसडीएल व आरबीआई ऋणों के कारण कुल बकाया 69894 करोड़ रुपये है, इसके बाद जीपीएफ 27901 करोड़ रुपये, रिजर्व और जमा में 14294 करोड़ रुपये, एनएसएसएफ 5758 करोड़ रुपये, बातचीत के जरिए लिए गए ऋणों में 4032 करोड़ रुपये, उदय बांड 2616 करोड़ रुपये और भारत सरकार के अग्रिम 710 करोड़ रुपये हैं।

सरकार ने यह भी खुलासा किया कि 27 फरवरी, 2025 तक विभिन्न वस्तु लेखा शीर्षों के तहत कोषागारों में कुल बकाया देयता 5429.49 करोड़ रुपये है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि 25 फरवरी, 2025 तक पीएचई के कुल अवैतनिक कार्य बिल 0.24 करोड़ रुपये हैं

जम्मू से श्रीनगर के लिए एक अप्रैल से शुरू होगी सुबह की नियमित उड़ान, मिली मंजूरी

जम्मू, 08 मार्च । जम्मू-कश्मीर के लोगों के अच्छी खबर है। खासकर सरकारी अधिकारियों और व्यवसायियों के लिए यह खबर बहुत ही फायदेमंद और समय बचाने वाली है। ऐसा नागरिक उड्डयन अथारिटी के रोजाना सुबह जम्मू से श्रीनगर के लिए उड़ान शुरू करने से संभव होने जा रहा है। नागरिक उड्डयन के अधिकारियों ने इसकी मंजूरी दे दी है। अब 01 अप्रैल से रोजाना सुबह जम्मू से कश्मीर के लिए नियमित उड़ान शुरू होगी। यह जानकारी अंतरिक्ष विभाग के केंद्रीय राज्य मंत्री और उधमपुर के सांसद डॉ. जितेंद्र सिंह ने दी। केंद्रीय मंत्री डॉ. सिंह ने सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से बताया कि एक आम शिकायत रहती थी कि जम्मू से श्रीनगर के लिए सुबह की कोई हवाई उड़ान नहीं है। इसके कारण उन लोगों को एक दिन में वापसी करना मुश्किल होता है। इसमें सरकारी अधिकारियों और व्यापारियों को अधिक परेशानी होती थी। इसके परिणामस्वरूप उनके लिए अक्सर उड़ान भरना और उसी दिन वापस आना मुश्किल हो जाता था। उन्होंने बताया कि इसके संबंध में नागरिक उड्डयन अधिकारियों को एक प्रस्ताव दिया गया था। इस शिकायत का संज्ञान लेते हुए नागरिक उड्डयन के अधिकारियों ने 01 अप्रैल 2025 से जम्मू से श्रीनगर के लिए सुबह 10 बजे एक नियमित दैनिक हवाई उड़ान शुरू करने पर सहमति व्यक्त की है।

मानवता के भविष्य को आकार देने में नारी शक्ति का प्रभाव बहुत बड़ा है: एलजी सिन्हा

जम्मू 08 मार्च। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा बुद्ध आर्ट एंड पेंटिंग द्वारा पद्मश्री पद्मा सचदेव राजकीय महिला महाविद्यालय, गांधी नगर के सहयोग से आयोजित 'सशक्त नारी सम्मान' कार्यक्रम में शामिल हुए। अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी शक्ति को शुभकामनाएं दीं।

उपराज्यपाल ने कहा, मानवता के भविष्य को आकार देने में नारी शक्ति का प्रभाव बहुत बड़ा है। उन्हें रचनात्मकता को पोषित करने और सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए अस्तित्व से एक विशेष उपहार मिला है।

उपराज्यपाल ने जम्मू-कश्मीर की महिला कलाकारों और कारीगरों की उल्लेखनीय उपलब्धियों की सराहना की और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

उपराज्यपाल ने कहा, फ्रमहिला कलाकार और कारीगर सतत विकास की वास्तुकार हैं। एक उत्कृष्ट निर्माता होने के लिए, किसी को प्रेम, दया और करुणा से भरा होना चाहिए और यही बात महिला कलाकारों को अद्वितीय बनाती है।

समकालीन कला और शिल्प क्षेत्र में महिला कलाकारों और कारीगरों की अधिक भागीदारी ने इस क्षेत्र को समृद्ध किया है और हमारे सांस्कृतिक लोकाचार के ताने-बाने को मजबूत किया है। जम्मू-कश्मीर और देश के कई कारीगरों ने नए मील के पत्थर हासिल किए हैं और अन्य एक उज्ज्वल कल के लिए अपना रास्ता बना रहे हैं।

उपराज्यपाल ने महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण और उन्हें उनकी वास्तविक क्षमता का एहसास कराने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में महिला सशक्तिकरण अब एक जन आंदोलन बन गया है।

मुख्य सचिव ने विभिन्न प्रवासी श्रेणियों के लिए दिए जा रहे राहत एवं पुनर्वास उपायों की समीक्षा की

जम्मू 08 मार्च। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आपदा प्रबंधन, राहत, पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण विभाग के साथ गहन बैठक की, जिसमें जम्मू एवं कश्मीर के विभिन्न प्रवासी श्रेणियों के लिए दिए जा रहे राहत एवं पुनर्वास उपायों के साथ-साथ क्षेत्र के विभिन्न जिलों में आपदा प्रबंधन तैयारियों की स्थिति का आकलन किया गया। बैठक में गृह एवं डीएम आरआरएंडआर विभागों के प्रमुख सचिव, कश्मीर/जम्मू के संभागीय आयुक्त, लोक निर्माण विभाग के सचिव, एसएचए के सीईओ, राहत आयुक्त, लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता तथा विभाग के अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। डुल्लू ने केंद्र शासित प्रदेश में विभिन्न प्रवासी श्रेणियों के लिए दिए जा रहे राहत एवं पुनर्वास उपायों की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी ली।

दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में युवती समेत दो की मौत, पल्ली और लगेट मोड़ हाईवे जामकर किया प्रदर्शन

कठुआ 08 मार्च । जिला कठुआ में शनिवार को दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में युवती समेत दो की मौत हो गई। पहला मामला कठुआ जिले के पल्ली इलाके में डंपर की चपेट में आने से एक युवती की मौत हो गई। जबकि दूसरे मामले में कठुआ के लंगेट मोड़ पर एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक और व्यक्ति की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार कॉलेज जा रही युवती को नेहलपुर के पास पल्ली नेहलपुर मार्ग पर एक तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। इस सड़क दुर्घटना में युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल को जीएमसी कठुआ ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थिति तब तनावपूर्ण हो गई जब परिवार के सदस्य और रिश्तेदार आक्रामक हो गए और पल्ली के समीप हाईवे जाम कर दिया। उन्होंने सड़क के बीच में पत्थर रख

दिए और यातायात बाधित कर दिया, हालांकि पुलिस ने उन्हें समझाने का प्रयास किया। परेशानी को भांपते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने पीड़ित परिवार को आश्वस्त किया कि आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बाद में स्थिति को नियंत्रित किया गया और वाहनों का आवागमन बहाल किया गया।

इसी प्रकार दूसरा मामला हाईवे लगेट मोड़ का है जहां कठुआ के लंगेट मोड़ पर एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक और व्यक्ति की मौत हो गई। गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने लंगेट मोड़ पर हाईवे जाम कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने मृतक व्यक्ति के शव को सड़क के बीचोबीच रख दिया और आरोपी व्यक्ति की गिरफ्तारी की मांग करते हुए सड़क जाम कर दी। इसी बीच वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने पीड़ित परिवार को आश्वस्त किया।

विधानसभा में बजट पर सामान्य चर्चा फिर से शुरू हुई

जम्मू 08 मार्च। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा पेश किए गए बजट 2025 पर चर्चा हुई।

बजट चर्चा की शुरुआत करते हुए जावेद हुसैन बेग ने बजट का समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह वर्तमान सरकार के भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह समाज के सभी वर्गों का ध्यान रखने वाला संतुलित बजट है। लोगों को सरकार से बहुत उम्मीदें हैं और उनके साथ किए गए सभी वादे पूरे किए जाएंगे। तारिक हमीद करां ने प्रस्तावित बजटीय प्रावधानों पर बोलते हुए कहा कि बजट में सभी सामाजिक क्षेत्रों को छूने वाली सकारात्मकता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि दिहाड़ी मजदूरों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, रिक्त पदों को भरने, कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास के मुद्दे को बजट में प्रमुखता मिलनी चाहिए थी।

जम्मू-कश्मीर में दो वर्षों में मानव-पशु संघर्ष की घटनाओं में 32 लोग मारे गए, 269 घायल हुए

जम्मू, 8 मार्च। जम्मू-कश्मीर सरकार ने शनिवार को खुलासा किया कि पिछले दो वर्षों में केंद्र शासित प्रदेश में मानव-पशु संघर्ष की घटनाओं में 32 लोगों की मौत हुई है जबकि 269 अन्य घायल हुए हैं। विधायक मीर सैफुल्लाह द्वारा उठाए गए एक प्रश्न के उत्तर में सरकार ने बताया कि इस अवधि के दौरान पीड़ितों और उनके परिवारों को मुआवजे के रूप में कुल 2.76 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण विभाग के प्रभारी मंत्री ने कहा कि मानव-पशु संघर्ष की घटनाओं में 2023-24 में 16 लोगों की जान चली गई जबकि 2024-25 में 16 और मौतें हुईं। इसी तरह ऐसी घटनाओं में घायल लोगों की संख्या 2023-24 में 124 और 2024-25 में 145 थी। पिछले दो वर्षों में 269 लोग घायल हुए। पीड़ितों के परिवारों को कोई मुआवजा न दिए जाने के दावों का खंडन करते हुए मंत्री ने स्पष्ट किया कि मुआवजा सरकारी आदेश संख्या 139 जेके (एफएसटी) 2023, दिनांक 28 जून, 2023 के अनुसार दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2023-24 में कुल 1.21 करोड़ रुपये मुआवजे के रूप में वितरित किए गए जबकि 2024-25 में यह राशि बढ़कर 1.55 करोड़ रुपये हो गई जिससे दो वर्षों में दिया गया कुल मुआवजा 2.76 करोड़ रुपये हो गया।

अचबल को तहसील का दर्जा देने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं -सकीना इटू

जम्मू, 08 मार्च । समाज कल्याण मंत्री सकीना इटू ने आज सदन को बताया कि अचबल को तहसील का दर्जा देने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। मंत्री आज जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विधायक अब्दुल मजीद लारमी द्वारा उठाए गए प्रश्न का उत्तर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की ओर से दे रही थीं। मंत्री ने बताया कि सरकार ने 09 नए उप-जिला, 50 नई तहसीलें और 99 नई नियाबतों के निर्माण को मंजूरी दी है और अचबल को सरकारी आदेश संख्या रेव (एस) 242 ऑफ 2014 दिनांक 21.10.2014 के तहत उप-जिला बनाया गया है। हालांकि सरकारी आदेश संख्या 42 रेव (एस) 2018 दिनांक 20.02.2018 के अनुसार सरकारी आदेश संख्या रेव (एस) 242 ऑफ 2014 दिनांक 21.10.2014 को अगले आदेश तक स्थगित रखा गया था

765 स्कूल भवनों और 11 पुलों को असुरक्षित घोषित, 371 पुलों को मरम्मत की आवश्यकता: उपमुख्यमंत्री

जम्मू, 8 मार्च। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने शनिवार को बताया कि 765 स्कूल भवनों और 11 पुलों को असुरक्षित घोषित किया गया है जबकि 371 पुलों को बड़ी या छोटी मरम्मत की आवश्यकता है। लोक निर्माण (सड़क और भवन विभाग) के प्रभारी मंत्री चौधरी ने विधानसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक शमीम फिरदौस के अतारांकित प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पीडब्ल्यू (आरएंडबी विभाग) ने 20 साल पहले बने 382 पुलों का सुरक्षा ऑडिट पहले ही पूरा कर लिया है। ऑडिट के दौरान 11 पुल असुरक्षित पाए गए जबकि 250 पुलों को बड़ी मरम्मत की आवश्यकता थी और 121 को मामूली मरम्मत की आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि असुरक्षित पुलों को बंद कर दिया गया है और उनका पुनर्निर्माण जारी है जबकि अन्य पुलों की मरम्मत भी शुरू कर दी गई है। चौधरी ने कहा कि विभाग ने 10 साल पहले बने (लेकिन 20 साल से कम पुराने) सभी पुलों का सुरक्षा ऑडिट भी शुरू कर दिया है जो जारी है। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राष्ट्रीय स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत हर साल स्कूल भवनों की सुरक्षा ऑडिट की जाती है और यह एक नियमित अभ्यास है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग ने 765

असुरक्षित भवनों की पहचान की है जिनका किसी भी शिक्षण उद्देश्य के लिए उपयोग नहीं किया जाता है और उचित औपचारिकताओं का पालन करने के बाद ऐसी बड़ी संख्या में इमारतों को ध्वस्त किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संबंधित संस्थानों के सभी प्रमुखों को छात्रों और कर्मचारियों के जीवन की सुरक्षा के लिए असुरक्षित संरचनाओं या भवनों का उपयोग नहीं करने की सलाह दी गई है। इसके अलावा स्कूल शिक्षा विभाग की क्षतिग्रस्त या जीर्ण-शीर्ण इमारतों का पीडब्ल्यू (आर एंड बी) विभाग द्वारा केस-टू-केस आधार पर मूल्यांकन किया जा रहा है और यदि कोई इमारत असुरक्षित पाई जाती है, तो उसे असुरक्षित घोषित कर दिया जाता है और उपयोग में नहीं लाया जाता है।

किडनी हमारे शरीर का वह अंग है जो गंदगी बाहर निकालने का काम करती हैं। दोनों किडनियों में छोटे-छोटे लाखों फिल्टर होते हैं जिन्हें नेफरोंस कहते हैं। नेरोफेंस हमारे खून को साफ करने का काम करते हैं। किडनी में किसी प्रकार की समस्या होने पर शरीर से विषैले पदार्थ बाहर नहीं निकल पाते जिससे कई रोग पैदा हो सकते है।

इन लक्षणों से पहचानें किडनी हो रही है खराब

किडनी से जुड़ी बीमारियों की अगर समय रहते पहचान नहीं की गई तो यह जानलेवा साबित हो सकती है। किडनी हमारे शरीर का वह अंग है जो गंदगी बाहर निकालने का काम करती हैं। दोनों किडनियों में छोटे-छोटे लाखों फिल्टर होते हैं जिन्हें नेफरोंस कहते हैं। नेरोफेंस हमारे खून को साफ करने का काम करते हैं। किडनी में किसी प्रकार की समस्या होने पर शरीर से विषैले पदार्थ बाहर नहीं निकल पाते जिससे कई रोग पैदा हो सकते है। इन रोगों से बचने के लिए आइए, जानते हैं ऐसे लक्षण जो किडनी के खराब होने का संकेत देते हैं -

युरिनरी फंक्शन में बदलाव

सबसे पहला लक्षण जो उभर कर आता है वह है युरिनरी फंक्शन में बदलाव। किडनी में किसी प्रकार की समस्या के चलते पेशाब के रंग, मात्रा और कितने बार पेशाब आती है, इन चीजों में बदलाव आने लगते है।

शरीर में सूजन आना

जब किडनियों की कार्यप्रणाली में कोई दिक्कत आती है तो शरीर से बाहर न निकलने वाली गंदगी और तरल पदार्थ समस्याएं उत्पन्न करते हैं। जिनसे शरीर में सूजन आ जाती है। यह सूजन हाथों, पैरों, जोड़ों, चेहरे और आंखों के नीचे हो सकती है। अगर आप अपनी त्वचा को उंगली से दबाएं और डिम्पल थोड़ी देर तक बने रहें तो डॉक्टर के पास जाने में देर न करें।

चक्कर आना और कमजोरी

जब किडनियों की कार्यप्रणाली में अवरोध होता है, तो आपको चक्कर आने की अशंका बढ़ जाती है। पूरे समय आप थकावट महसूस करते हैं और कमजोरी का एहसास होता है। ये लक्षण खून की कमी और गंदगी के शरीर में जमा होने से उत्पन्न हो सकते हैं।

पीठ दर्द का कारण न समझ पाना

आपकी पीठ और पेट के किनारों में बिना वजह दर्द महसूस होना, किडनी में इंफेक्शन या किडनी संबंधी बिमारियों के लक्षण हो सकते हैं।

स्किन खुरदुरी हो जाना और खुजली होना

अचानक त्वचा का फटना, रेशेज होना, अजीब लगना और बहुत ज्यादा खुजली महसूस होना शरीर की गंदगी के एकत्रित होने के परिणाम हो सकते हैं। किडनी के निष्प्रभावी हो जाने से शरीर में कैल्शियम और फॉस्फोरस की मात्रा प्रभावित होती है, जिससे अचानक से बहुत ज्यादा खुजली होने लगती है। आमतौर पर स्वस्थ त्वचा भी फटने लगती है, खुरदुरी हो जाती है और खुजली होती है।

उल्टियां आना

किडनी से जुड़ी समस्याओं के परिणामस्वरूप उल्टी आने जैसे लक्षण आम बात हो जाते हैं। इसके अलावा गैस से जुड़ी समस्याएं हर सुबह सामने आती हैं। अगर आप उल्टी के दवाईयां लेने के बाद भी समस्या को जस की तस पाएं तो फौरन डॉक्टर से पूरा चेकअप करवाएं।

ठंड लगना

अच्छे मौसम के बावजूद अजीब-सी ठंड लगना और कभी-कभी ठंड लगकर बुखार भी आ जाना भी इसके लक्षणों में शामिल है। आपके तापमान अधिक होने पर भी ठंड का एहसास हो तो डॉक्टर की सलाह बेहद जरूरी है।

एलोवेरा का जरुरत से ज्यादा इस्तेमाल हो सकता है खतरनाक!

एलोवेरा के कई फायदें हैं, यह सेहत के साथ ही स्किन, बालों और वेट लॉस तक में फायदेमंद है। लेकिन इसके इस्तेमाल को लेकर सावधान नहीं रहे तो यह नुकसानदायक भी हो सकता है। दरअसल, एलोवेरा का सीमित मात्रा में इस्तेमाल बहुत फायदेमंद होता है। लेकिन जरुरत से ज्यादा इसका इस्तेमाल खतरनाक हो सकता है। हम आपको बता रहे हैं कि कैसे एलोवेरा का अधिक इस्तेमाल आपको नुकसान पहुंचा सकता है। यदि आप एलोवेरा का अत्याधिक सेवन करते हैं तो आपको पेट संबंधित परेशानियां हो सकती हैं। इसका इस्तेमाल सीमित मात्रा में करना चाहिए। एलोवेरा को स्किन के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। लेकिन स्किन पर भी एलोवेरा के ज्यादा इस्तेमाल से त्वचा संबधित परेशानी हो सकती है। एलोवेरा को चेहरे पर ज्यादा लगाने के कारण चेहरे पर रूखापन और बारीक दाने हो सकते हैं। डायबिटीज के मरीजों के लिए एलोवेरा का जूस सही नहीं है। बिना डॉक्टर की सलाह के वह इसका सेवन न करें। एलोवेरा के ज्यादा इस्तेमाल से लिवर से जुड़ी समस्याओं का सामना आपको करना पड़ सकता है। बेहतर यह है कि डॉक्टर से सलाह लेने के बाद ही आप एलोवेरा का सेवन शुरू करें।

शरीर को करें अंदर से साफ खाने में शामिल करें ये 4 चीजें

कई बार पेट साफ होने पर भी शरीर अंदर से पूरी तरह से साफ नहीं होता है। ऐसे में शरीर के अंदर जमे विषैले पदार्थों को यदि बाहर नहीं निकाला गया तो वह कई बीमारियों को पैदा कर सकते हैं। इसलिए जरूरी हैं उन चीजों के बारे में जानना जो शरीर को अंदर से साफ करने का काम करती हैं। हम आपको बता रहे हैं ऐसी ही 4 चीजें जिन्हें खाने से शरीर अंदर से साफ यानि की डिटॉक्सिफाई हो जाता है -

ब्रोकली और फूलगोभी

इन दोनों ही सब्जियों में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है और फाइबर शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में बहुत सहायक होता है। इन्हें किसी भी रूप में खाना शरीर के लिए फायदेमंद होगा साथ ही इन्हें खाने से कब्ज की समस्या भी दूर होगी।

नारियल पानी

नारियल पानी में इलेक्ट्रोलाइट्स और एंटीआक्सीडेंट मौजूद होते हैं, जो शरीर से टॉक्सिन को निकाल कर बॉडी सिस्टम को साफ कर देते हैं।

चुकंदर

चुकंदर को सलाद या जूस के रूप में लेने से भी शरीर की अंदरूनी सफाई होने में मदद मिलेती है। चुकंदर में भरपूर मात्रा में आयरन होता है, जो शरीर में खून को बढ़ाने में भी मदद करता है।

नींबू

नींबू क्षारीय गुण और विटामिन सी से भरपूर होता है। विटामिन सी एंटीऑक्सीडेंट्स का मुख्य स्रोत है। पानी में नींबू का रस मिलाकर पिएं या फिर सलाद में रस निचोड़ कर खाएं, ऐसा करने से शरीर डिटॉक्स/साफ होने में मदद मिलती है। नींबू के अलावा अदरक, शलगम और चुकंदर का रस भी डिटॉक्स करने में मदद करता है।

दांतों में जहर फैला सकती है फिलिंग की यह तकनीक

कहीं आपको भी तो नहीं पड़ी दांतों में फिलिंग की जरूरत? अगर हां तो इसे तुरंत निकाल दीजिए वर्ना आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।

दांतों में कई तरह की समस्या आने पर उनके भीतर फिलिंग करवाना बहुत ही सामान्य हो चुका है। कई तरह की फिलिंग डॉक्टरों द्वारा की जाती है जिसमें दांतों की वर्तमान स्थिति के अनुसार फिलिंग की जाती है। फिलिंग की कीमत भी एक महत्वपूर्ण पहलू है। इसी के चलते कई बार आपके दांतों के साथ खिलवाड़ की जाती है। सिल्वर फिलिंग (सिल्वर, कॉपर, टिन और मर्क्यूरी) एक बरसों पुरानी तकनीक है। सस्ती होने के कारण इसे आज भी आजमाया जा रहा है परंतु यह तकनीक आपको आगे जाकर बड़ा नुकसान पहुंचा सकती है। मर्क्यूरी या सीसा एक खतरनाक पदार्थ है जिसका जहर फैलता है। इस तरह सिल्वर फिलिंग को समय रहते निकलवा लें।

आहार में फाइबर जरूर शामिल करें

आपने बैलेंस डाइट लेने के बारे में हजारों बार सुना होगा, बैलेंस डाइट यानी कि संतुलित आहार और इस आहार में वे सारी चीजें आती है, जिसकी हमारे शरीर को स्वस्थ रहने के लिए जरूरत होती है जैसे कि प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन, मिनरल और फाइबर आदि। फाइबर यानी कि रेशे युक्त भोजन, कई बार लोग इसे अपनी डाइट में शामिल करना भूल जाते हैं। आइए, हम आपको बताते हैं कि शरीर में पर्याप्त मात्रा में फाइबर लेने के क्या फायदे होते हैं -

रेशा प्रिबायोटिक है। इससे कोलोन में मित्र बैक्टीरिया में वृद्धि होती है।
फाइबर एक महत्वपूर्ण एंटीऑक्सीडेंट होता है।
डाइट में लिया गया फाइबर बुरे कॉलेस्ट्रॉल को भी बढ़ने से रोकता है।
रेशे वाला भोजन खाने की संतुष्टि देता है। इससे पेट भरा रहता है।
इसके विपरीत रेशे रहित पदार्थ मैदा इत्यादि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं।
फल, सब्जी, साबुत अनाज और दालों से फाइबर प्राप्त किया जा सकता है।
भारतीय भोजन में फाइबर मौसमी फल, रोटी, सब्जी, तुअर दाल, उड़द दाल, मूंग की दाल, राजमा आदि से प्राप्त हो सकता है।
रेशा या फाइबर पेट को साफ रखने में मदद करता है। सिर्फ इतना ही नहीं भोजन में पर्याप्त फाइबर, डाइबिटीज, कैंसर, हृदय रोग और मोटापे को भी दूर रखता है।

खसखस के सेहतमंद फायदे

पौष्टिकता से भरपूर खसखस का इस्तेमाल सब्जी की ग्रेवी बनाने और सर्दी के दिनों में स्वादिष्ट हलवा बनाने के लिए किया जाता है। यह स्वाद और सेहत से भरपूर है, इसलिए स्वास्थ्य समस्याओं का उपचार करने के लिए भी इसे दवा के रूप में प्रयोग करते हैं। आइए जानते हैं, खसखस के बेहतरीन गुणों के बारे में

खसखस को दर्द निवारक के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसमें पाया जाने वाला ओपियम एल्कलॉइड्स सभी प्रकार के दर्द को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। खास तौर से इसका प्रयोग मांसपेशियों के दर्द में किया जाता है। खसखस का तेल भी बाजार में उपलब्ध होता है, जिसका प्रयोग दर्द वाले स्थान पर किया जाता है।

सांस संबंधी तकलीफ होने पर भी खसखस काफी फायदेमंद होता है। इसके साथ ही यह खांसी को कम कर सांस संबंधी समस्याओं में लंबे समय तक आराम दिलाने में भी मदद करता है।

अगर आप नींद न आने की समस्या से परेशान हैं, तो सोने से पहले खसखस का गर्म दूध पीना आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। यह अनिद्रा की समस्या को दूर करता है। यह आपको नींद लेने के लिए प्रेरित करेगा।

खसखस फाइबर का बेहतरीन स्त्रोत है, जिसका प्रयोग करने से कब्ज की समस्या नहीं होती। इसके अलावा यह बेहतर पाचन में भी मदद करता है और शरीर को उर्जा देने के लिए भी बहुत लाभदायक होता है।

गुर्दे की पथरी में इलाज के तौर पर भी खसखस को सेवन किया जाता है। इसमें पायाजाने वाला ओक्सलेट्स, शरीर में मौजूद अतिरिक्त कैल्शियम का अवशोषण कर गुर्दे में पथरी बनने से रोकता है।

खसखस मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाने के साथ-साथ त्वचा पर होने वाली झुर्रियों को भी कम करने में मदद करता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जो आपको जवां बनाए रखने में मदद करता है।

खसखस त्वचा को नमी प्रदान करने में भी सहायक होता है। यह त्वचा की जलन व खुजली को कम करने के साथ ही एक्जिमा जैसी समस्याओं से लड़ने में मदद करता है।

ओमेगा-6 फैटी एसिड, प्रोटीन, फाइबर से भरपूर होने के साथ ही खसखस में फाइटोकेमिकल्स, विटामिन बी, थायमिन, कैल्शियम और मैंगनीज भी पाया जाता है, जो पोषण के लिहाज से बहुत फायदेमंद है।

त्वचा को खूबसूरत बनाने के लिए खसखस का इस्तेमाल दूध में पीसकर फेसपैक के रूप में किया जाता है। यह त्वचा को नमी प्रदान करने के साथ ही प्राकृतिक चमक लाता है, और चेहरा दमक जाता है।

इसके अलावा कई तरह की छोटी-छोटी समस्याओं जैसे अधिक प्यास लगना, बुखार, सूजन या पेट में होने वाली जलन से राहत पाने के लिए खसखस का प्रयोग किया जाता है। यह पेट में बढ़ने वाली गर्मी को भी शांत करने में सहायक है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

जीडीसी हीरानगर ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2025 मनाया

कठुआ 08 मार्च (हि.स.)। राजकीय डिग्री कॉलेज हीरानगर ने आईक्यूएसी के तत्वावधान में कॉलेज परिसर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2025 मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई।

अपने उद्घाटन भाषण में कॉलेज की प्राचार्य डॉ. प्रज्ञा खन्ना ने आमंत्रित संसाधन व्यक्तियों का स्वागत किया और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2025 की थीम कार्रवाई में तेजी और सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के सावधानीपूर्वक कार्यान्वयन पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब हम महिलाओं का सम्मान करते हैं तो हम अपने राष्ट्र का सम्मान करते हैं और 2047 तक हम एक ऐसे भारत की कल्पना कर सकते हैं जहां लैंगिक समानता न्याय नीति का लक्ष्य नहीं बल्कि एक अंतर्निहित सांस्कृतिक मूल्य है।

अपने आमंत्रित व्याख्यान में कार्यक्रम की संसाधन व्यक्ति डॉ. वंदना शर्मा सहायक प्रोफेसर हिंदी विभाग केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू ने समाज में महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों और उन चुनौतियों को अवसरों में बदलने के तरीके पर विस्तृत जानकारी दी। नीतू बाली एडवोकेट और उद्यमी इस कार्यक्रम के लिए एक अन्य संसाधन व्यक्ति थीं। उन्होंने महिला सशक्तिकरण के बारे में बात की और बताया कि कैसे महिलाएं एक-दूसरे का समर्थन कर सकती हैं।

अपने विचार-विमर्श में अक्षिता शर्मा (जेकेएएस) ने आत्म-विश्वास, मूल्य और आत्मविश्वास पर जोर दिया जो महिलाओं को सशक्त बनाने में सहायक हो सकते हैं। कार्यक्रम की कार्यवाही समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रजनी बाला ने संचालित की। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य भी उपस्थित थे।

बेरोजगार युवाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कठुआ 08 मार्च (हि.स.)। जेएंडके केवीआईबी कठुआ ने क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को जेएंडके केवीआईबी द्वारा कार्यान्वित की जा रही योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) और जेएंडके ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम (जेकेआरईजीपी) के बारे में जागरूक करने के लिए पंचायत धमाल ब्लॉक बरनोटी में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

जागरूकता कार्यक्रम में बेरोजगार युवा कारीगरों को अपनी इकाइयां स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु बताया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि, बैंक, जिला नोडल अधिकारी जेकेईडीआई धीरज हांडू, एसबीआई आर-एसईटीआई कठुआ के प्रतिनिधि, शाखा प्रमुख जेके बैंक छन्न रोरियां, हस्तशिल्प हथकरघा विभाग के प्रतिनिधि, ग्रामीण विकास विभाग के प्रतिनिधि, क्षेत्र के पूर्व सरपंच पंच और बड़ी संख्या में बेरोजगार युवा आम जनता ने भाग लिया। जिला अधिकारी जेके केवीआईबी कठुआ सुरिंदर पॉल शर्मा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और केवीआईबी की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। इसके अलावा एसएचओ पुलिस स्टेशन राजबाग अजय चिब ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और उन्होंने युवाओं को इन स्वरोजगार योजनाओं का लाभ उठाने और किसी भी नशे की लत से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। नए उद्यमियों को स्वीकृति पत्र भी वितरित किए गए और नए खरीदे गए वाहनों की चाबियाँ भी उन लाभार्थियों को सौंपी गईं जिनके पक्ष में बैंकों द्वारा वित्तीय सहायता वितरित की गई है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया

जम्मू, 8 मार्च (हि.स.)। आईआरपी-15वीं बटालियन गुलशन ग्राउंड जम्मू में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आनंद जैन आईपीएस अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सशस्त्र जम्मू-कश्मीर मुख्य अतिथि थे जबकि सारा रिजवी आईपीएस डीआईजी आईआरपी रेंज जम्मू विशेष अतिथि थीं।

उनके आगमन पर एडीजीपी सशस्त्र को आईआरपी-15वीं बटालियन की टुकड़ी द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए बटालियन मुख्यालय में जूस कॉर्नर और न्यामत कड़ा के उद्घाटन सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम के दौरान बटालियन की महिला कर्मियों ने हथियारों की ड्रिल और तीरंदाजी प्रदर्शन में अपने कौशल का प्रदर्शन किया। एक चिकित्सा शिविर भी आयोजित किया गया जहां पुलिस अस्पताल जम्मू के डॉक्टरों की एक टीम ने महिला कर्मियों की जांच की और विभिन्न चिकित्सा परीक्षण किए।

अपने संबोधन में एडीजीपी सशस्त्र ने सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम की शुरुआत और आयोजन के लिए कमांडेंट आईआरपी 15वीं बटालियन के प्रयासों की सराहना की और बधाई दी। एडीजीपी सशस्त्र ने बटालियन के बुनियादी ढांचे और महिला कर्मियों के बच्चों के लिए प्रदान की गई खेल सुविधा का निरीक्षण करने का अवसर भी लिया। इसके अतिरिक्त एक वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें महिला अधिकारियों ने महिला सशक्तिकरण विषय पर प्रस्तुतियां दीं।

अपने संबोधन में आनंद जैन एडीजीपी सशस्त्र जम्मू-कश्मीर ने सभी महिला कर्मियों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने समाज और राष्ट्रीय विकास में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और लैंगिक समानता के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने खेल के क्षेत्र में अधिक महिलाओं को शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया और महिला कर्मियों को राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया।

सात दशकों का इंतजार खत्म, विजयपुर-सांबा को जोड़ने वाली ऐतिहासिक सड़क निर्माण कार्य शुरू

जम्मू, 8 मार्च (हि.स.)। आखिरकार सात दशकों पुरानी मांग पूरी हो गई है, विजयपुर और सांबा विधानसभा क्षेत्रों को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क के निर्माण का कार्य शानदार तरीके से शुरू कर दिया गया है। इस ऐतिहासिक परियोजना का उद्घाटन सांबा के विधायक सुरजीत सिंह सलाथिया और विजयपुर के विधायक चंद्र प्रकाश गंगा ने संयुक्त रूप से किया।

6 करोड़ की लागत से बनेगी 5 किमी लंबी सड़क

नाबार्ड के तहत बनाई जा रही संगड़ से कठार गांव तक की यह सड़क करीब 5 किलोमीटर लंबी होगी और इसके निर्माण पर करीब 6 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। दशकों से इस सड़क की मांग कर रहे स्थानीय निवासियों के लिए यह एक बड़ा तोहफा साबित होगी।

सरकारी नौकरी की बजाय निजी क्षेत्र में रोजगार की ओर कश्मीरी युवा

जम्मू, 8 मार्च (हि.स.)। कश्मीर घाटी के पढ़े-लिखे युवा अब सिर्फ सरकारी नौकरियों पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि निजी क्षेत्र में भी रोजगार के नए अवसर तलाश कर रहे हैं। पुलवामा जिले के करीमाबाद के युवा उद्यमी मुर्तजा नजीर इसका बेहतरीन उदाहरण हैं जिन्होंने खुद का कारोबार स्थापित कर न सिर्फ अपना भविष्य संवारा, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे रहे हैं।

मुर्तजा नजीर ने पांच साल पहले करीमाबाद में अलग-अलग तरह के फूलों की नर्सरी स्थापित कर अपनी उद्यमशीलता की शुरुआत की। कड़ी मेहनत और दूरदर्शिता के साथ उन्होंने इस व्यवसाय को एक सफल उद्यम में तब्दील कर दिया। इसके बाद उन्होंने पुलवामा शहर के तकिया चिनार बाग में एक नया बाजार भी स्थापित किया, जहां वह अपनी नर्सरी के फूलों को व्यावसायिक रूप से बेचते हैं।

मुर्तजा नजीर की यह सफलता उन हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा है जो रोजगार की तलाश में सरकारी नौकरियों की प्रतीक्षा करते हैं। उन्होंने साबित किया है कि अगर सही दिशा में मेहनत की जाए तो निजी क्षेत्र में भी सफल करियर बनाया जा सकता है।

सरकार शारदा मंदिर में एक यात्री निवास बनाने की योजना बना रही है : मुख्यमंत्री

जम्मू, 8 मार्च (हि.स.)। जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार शारदा मंदिर में एक यात्री निवास बनाने की योजना बना रही है जिसे दो साल पहले नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास टीटवाल में खोला गया था।

विधानसभा में नेशनल कांफ्रेंस के विधायक जाविद अहमद मिरचल के तारांकित प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि मंदिर में 1.5 करोड़ रुपये की लागत से यात्री निवास और कैफेटेरिया के निर्माण के लिए एक विस्तृत परियोजना प्रगति पर है। शारदा बचाओ समिति ने 2023 में नियंत्रण रेखा के पास अंतिम गांव टीटवाल में मां शारदा देवी मंदिर की स्थापना की जो तीर्थयात्रियों के लिए आधार शिविर के रूप में कार्य करेगा। कश्मीरी पंडित पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में शारदा पीठ कॉरिडोर के पुनरुद्धार की मांग कर रहे हैं। सीमावर्ती पर्यटन की अपार संभावनाओं को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री ने संबंधित विधायकों से सरकार को अपने घरों को होमस्टे में बदलने के इच्छुक परिवारों को पंजीकृत करने में मदद करने की मांग की। उमर अब्दुल्ला जो पर्यटन के प्रभारी मंत्री भी हैं ने कहा कि पर्यटन विभाग ने अब तक करनाह में छह और टीटवाल में पांच होमस्टे पंजीकृत किए हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय आबादी को आय के अवसर प्रदान करने के लिए और अधिक काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह सच है कि कुपवाड़ा जिले के करनाह निर्वाचन क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। यह क्षेत्र अपने लुभावने परिदृश्य, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और नियंत्रण रेखा के पास रणनीतिक स्थान के लिए जाना जाता है।

डॉ. मान्याल बलबीर ने शिक्षा पर अंबेडकर के दृष्टिकोण पर चर्चा की

जम्मू, 8 मार्च (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर भाजपा महासचिव और रामगढ़ के विधायक डॉ. देविंदर कुमार मान्याल और पार्टी प्रवक्ता और पूर्व उपाध्यक्ष बलबीर राम रतन ने शिक्षा के लिए डॉ. बी.आर. अंबेडकर के दृष्टिकोण पर चर्चा की एक समतापूर्ण और न्यायपूर्ण समाज को आकार देने में उनके शैक्षिक दर्शन के महत्व पर जोर दिया।उन्होंने जोर दिया कि समावेशी और सुलभ शिक्षा सामाजिक उत्थान और राष्ट्रीय प्रगति के लिए एक बुनियादी उपकरण है।

डॉ. देविंदर कुमार मान्याल ने डॉ. अंबेडकर के इस विश्वास पर प्रकाश डाला कि सामाजिक भेदभाव को मिटाने और हाशिए पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है। डॉ. मान्याल ने कहा अंबेडकर का सपना था कि जाति या वर्ग की परवाह किए बिना हर व्यक्ति को ज्ञान और आलोचनात्मक रूप से सोचने की क्षमता से लैस किया जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के महत्व पर अंबेडकर का दृष्टिकोण आज भी बहुत प्रासंगिक है उन्होंने लोगों से उनकी शिक्षाओं से प्रेरणा लेने और अधिक समावेशी समाज की दिशा में काम करने का आग्रह किया। बलबीर राम रतन ने इस बात पर जोर दिया कि अंबेडकर शिक्षा को विशेषाधिकार के बजाय मौलिक अधिकार के रूप में मानने के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने बताया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच कई वंचित समुदायों के लिए एक चुनौती बनी हुई है और समाज को डॉ. अंबेडकर के सपने को पूरी तरह साकार करने के लिए सामूहिक रूप से काम करना चाहि

बेरोजगार युवाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, नए उद्यमियों को स्वीकृति पत्र एवं वाहनों की चाबियाँ सौंपी गईं

कठुआ 08 मार्च (हि.स.)। जेएंडके केवीआईबी कठुआ ने क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को जेएंडके केवीआईबी द्वारा कार्यान्वित की जा रही योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) और जेएंडके ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम (जेकेआरईजीपी) के बारे में जागरूक करने के लिए पंचायत धमाल ब्लॉक बरनोटी में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

जागरूकता कार्यक्रम में बेरोजगार युवा कारीगरों को अपनी इकाइयां स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु बताया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि, बैंक, जिला नोडल अधिकारी जेकेईडीआई धीरज हांडू, एसबीआई आर-एसईटीआई कठुआ के प्रतिनिधि, शाखा प्रमुख जेके बैंक छन्न रोरियां, हस्तशिल्प हथकरघा विभाग के प्रतिनिधि, ग्रामीण विकास विभाग के प्रतिनिधि, क्षेत्र के पूर्व सरपंच पंच और बड़ी संख्या में बेरोजगार युवा आम जनता ने भाग लिया। जिला अधिकारी जेके केवीआईबी कठुआ सुरिंदर पॉल शर्मा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और केवीआईबी की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। इसके अलावा एसएचओ पुलिस स्टेशन राजबाग अजय चिब ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और उन्होंने युवाओं को इन स्वरोजगार योजनाओं का लाभ उठाने और किसी भी नशे की लत से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। नए उद्यमियों को स्वीकृति पत्र भी वितरित किए गए और नए खरीदे गए वाहनों की चाबियाँ भी उन लाभार्थियों को सौंपी गईं जिनके पक्ष में बैंकों द्वारा वित्तीय सहायता वितरित की गई है।

सांबा पुलिस ने अवैध खनन में लिप्त 3 डंपर समेत 6 वाहन जब्त किए

सांबा 08 मार्च (हि.स.)। अवैध खनन के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए सांबा पुलिस ने सांबा और घगवाल पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र में तीन डंपर समेत छह वाहनों को जब्त किया है।

जानकारी के अनुसार पुलिस स्टेशन सांबा के पुलिस पोस्ट सुपवाल, गोरन और रख अंब टल्ली के इंचार्ज और पुलिस स्टेशन घगवाल के पुलिस पोस्ट राजपुरा के इंचार्ज के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने अपने अधिकार क्षेत्र में गश्त करते हुए चार वाहनों को जब्त किया है जिनमें पंजीकरण संख्या जेके21सी-2988, जेके21-8772 और जेके21डी-9878 वाले तीन डंपर और पंजीकरण संख्या जेके21डी-9491 और जेके21जी-5721 वाले दो ट्रैक्टर ट्रॉली और बिना पंजीकरण संख्या वाली एक और ट्रैक्टर ट्रॉली शामिल है, जिनका इस्तेमाल क्षेत्र में निर्माण सामग्री के अवैध परिवहन खनन के लिए किया जा रहा था। उपरोक्त वाहनों को सांबा पुलिस

द्वारा जब्त कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए भूविज्ञान एवं खनन विभाग सांबा को सौंप दिया गया है।

विधानसभा के सदस्यों ने जम्मू-कश्मीर में एक श्रीलंकाई क्रिकेटर को भूमि के आवंटन पर उठाया सवाल

जम्मू, 8 मार्च (हि.स.)। विधानसभा के सदस्यों ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर में एक श्रीलंकाई क्रिकेटर को भूमि के आवंटन पर सवाल उठाया।

प्रश्नकाल के दौरान सीपीआई (एम) विधायक मोहम्मद यूसुफ तारिगामी ने कहा कि एक श्रीलंकाई क्रिकेटर को कठुआ में भूमि आवंटित की गई है। उन्होंने पूछा कि यह आवंटन कैसे किया गया है।। हालांकि, तारिगामी ने उस क्रिकेटर का नाम नहीं बताया जिसे भूमि आवंटित की गई है

। कांग्रेस विधायक गुलाम अहमद मीर ने भी सरकार से पूछा कि एक गैर-भारतीय क्रिकेटर को जम्मू-कश्मीर में भूमि कैसे आवंटित की गई है। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर सवाल है और इस पर गौर करने की जरूरत है।

विधायकों की चिंताओं का जवाब देते हुए कृषि उत्पादन विभाग के मंत्री जावेद अहमद डार ने कहा कि इस मामले पर गौर करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह मामला राजस्व विभाग से संबंधित है।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्र प्रथम नीति को प्राथमिकता दी

श्रीनगर, 8 मार्च (हि.स.)। कुपवाड़ा से जेकेएपी नेता चौधरी मुश्ताक अहमद बजाड़ भाजपा में शामिल हुए।

कुपवाड़ा से ताल्लुक रखने वाले जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी के वरिष्ठ गुज्जर नेता चौधरी मुश्ताक अहमद बजाड़ जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित पार्टी मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। जम्मू-कश्मीर भाजपा के अध्यक्ष सत शर्मा सीए ने अपने समर्थकों के साथ नए सदस्य का स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रिया सेठी, एसटी मोर्चा के अध्यक्ष चौधरी रोशन हुसैन और मोर्चा के उपाध्यक्ष चौधरी फरीद बजाड़ भी मौजूद थे।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
MECHANICAL IRRIGATION DIVISION, AKHNOOR/NOWSHERA
Tele/Fax :01924-253998/E-Mail - ifcjmidakhnoor@gmail.com
Notice Inviting Tender
e-NIT No.: - MID/AN/120 Dated: -07/03/2025

For and on behalf of The Hon'ble Lt. Governor of Jammu and Kashmir (UT), Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division Akhnoor/Nowshera invites e-tenders from Approved contractors/ Registered firms / Workshop owners having experience in Electromechanical Works for following jobs: -

S.No.	Name of the work	Quantity	Earnest Money (Rs. in Lacs)	Cost of tender document	Period of Completion	Class of contractor
01.	Repair to Column Assembly of 20 cusecs discharge,40mtr .head Jyoti Make 2 stage V.T. Pump No. 04 with allied works at L.I.S Rajal	01 Job	02% of the quoted value	Rs.200	10 Days	Registered /Reputed firms /Workshop owners having experience in Electromechanical Works

1. The bidding documents can be seen and downloaded from the website http://www.jktenders.gov.in from 07/03/2025 (05:00PM) to 17/03/2025 (02:00 PM). Bidding document contains instruction for bidders, bill of quantities, general terms and condition and other details.
a) The Bids shall be uploaded in electronic format on the website http://www.jktenders.gov.in from 08/03/2025 (1:00 PM) to 17/03/2025 (02:00 PM).
b) The complete bidding process will be through electronic mode.
c) A pre-bid meeting will be held on 08/03/2025 (11:30 AM) in the Office of the Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division Akhnoor / Nowshera to address any queries from the firms.
d) Cover-I of the bids uploaded on the website up to due date and time will be opened on 18/03/2025 (1:00PM) in the Office of the Executive Engineer, Mechanical Irrigation Division Akhnoor / Nowshera in the presence of the bidders who wish to attend. If the office happens to be closed on the date of opening of the bids as specified, the bids will be opened on the next working day at the same time and venue.
e) Furnishing of hard copies of bids immediately after submission of e-Tenders is dispensed with. The same should be
obtained only from the bidders who is declared as L1 after opening of Financial Bids
f) The cost of the tenders should be collected by introducing e-challan by simply uploading a copy of necessary treasury challan/Receipt.
2. Similarly, insisting on actual call deposit receipt, a copy of same duly pledged to the concerned department should be uploaded by the tenderers. However, before allotting the work or issuing the supply order the original CDR should be obtained and kept on record.
3.Other details can be seen in the bidding document.
4. The guidelines regarding submission of bid in electronic mode can be downloaded from website http://www.jktenders.gov.in
5. The bidders shall go through the tender specific instructions sheet also.
6. The bidders for any clarification can contact the department through e-mail ifcjmidakhnoor@gmail.com.
No: - MID/AN/2500-04
Dated: - 07-03-2025

Sd/-
Executive Engineer
Mechanical Irrigation Division
Akhnoor/Nowshera

DIP/J-10842/24
Dtd:8-3-2025

जीएचएसएस भलरा ने 'राष्ट्रीय अविष्कार सप्ताह' का आयोजन किया

आमिर इकबाल खान

भद्रवाह, 8 मार्च। जल संरक्षण और सतत जल प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से, पीएम श्री गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल भलरा ने आज 'राष्ट्रीय अविष्कार सप्ताह' के तहत जल संरक्षण विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य छात्रों और एनसीसी कैडेट्स को सतत जल प्रबंधन के उपायों के प्रति जागरूक करना और पर्यावरण की नाजुक संरचनात्मक व्यवस्था को संरक्षित करने की जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था इंटरएक्टिव सत्रों और व्यावहारिक प्रदर्शनों के माध्यम से, इस कार्यक्रम ने बढ़ती पारिस्थितिकीय चुनौतियों के बीच जल संसाधनों के संरक्षण के महत्व को रेखांकित किया, प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया। विज्ञप्ति में आगे बताया गया कि कार्यक्रम का नेतृत्व डॉ. संजीव कुमार कौल ने इरशाद अहमद के सहयोग से किया, जबकि यह आयोजन संस्थान के प्राचार्य श्री राजिंदर सिंह भल्ल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। विज्ञप्ति में यह भी कहा गया, फ्रसंस्थान की इस सामूहिक पहल ने पर्यावरणीय स्थिरता और संरक्षण प्रयासों में युवाओं की भागीदारी के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को उजागर किया।

जर्मन नागरिक मनजीत कौर ने साइकिल यात्रा कर महिला सशक्तिकरण का दिया संदेश

कठुआ 08 मार्च (हि.स.)। जर्मन नागरिक मनजीत कौर जिन्होंने मानवाधिकारों, पर्यावरण संरक्षण और पशु संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक उल्लेखनीय साइकिल यात्रा शुरू की है जोकि शनिवार को कठुआ पहुंची। होला मोहल्ला समारोह में भाग लेने के लिए जब वह जम्मू से पंजाब के आनंदपुर साहिब तक साइकिल चलाती हुई कठुआ पहुंची तो मनजीत कौर ने मीडिया के साथ अपनी प्रेरक कहानी साझा की।

उन्होंने बताया कि उन्होंने 45 देशों की यात्रा की है और सिख धर्म से बहुत प्रभावित हैं। वह धाराप्रवाह पंजाबी बोलती हैं और हर दिन अपनी पगड़ी भी खुद ही बांधती हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मनजीत ने महिला सशक्तिकरण और आत्म-खोज का एक शक्तिशाली संदेश साझा किया।

संपादकीय

सरकार को सफाई देनी चाहिए

यह आश्चर्यजनक है कि जम्मू-कश्मीर सरकार को इस बात की जानकारी नहीं है कि एक श्रीलंकाई क्रिकेटर को जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में जमीन आवंटित की गई है। कथित तौर पर कई विधायकों ने आज प्रश्नकाल के दौरान विधानसभा में इस मुद्दे को उठाया, जिस पर विपक्षी सदस्यों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और मामले में पारदर्शिता की मांग की।

सीपीआई(एम) विधायक मुहम्मद यूसुफ तारिगामी ने कहा कि एक श्रीलंकाई क्रिकेटर को कठुआ में जमीन आवंटित की गई है और पूछा कि कानून के किस प्रावधान के तहत किसी विदेशी को केंद्र शासित प्रदेश में जमीन का एक हिस्सा रखने का विशेषाधिकार दिया गया है। एक कदम आगे बढ़ते हुए, कांग्रेस विधायक गुलाम अहमद मीर ने विधानसभा में स्पष्टीकरण मांगा कि गैर-भारतीय क्रिकेटर को बदले में एक पैसा लिए बिना जमीन क्यों दी गई?

क्या यह दिलचस्प नहीं है कि उनके सवाल का जवाब देते हुए ग्रामीण विकास मंत्री जावेद डार ने दावा किया है कि सरकार को इस मुद्दे के बारे में जानकारी नहीं है, लेकिन वह इस मामले को देखेगी? बेशक यह एक गंभीर मुद्दा है और सरकार को सच्चाई का पता लगाने और लोगों के सामने इसे उजागर करने की जरूरत है क्योंकि एक तरफ उमर सरकार यह दावा कर रही है कि वह यूटी की जमीन और नौकरियों की सुरक्षा के लिए लड़ेगी, लेकिन दूसरी तरफ विदेशियों को राज्य की जमीन का मालिक बनाया जा रहा है। अगर कथित तौर पर चीजें हुई हैं, तो इस जमीन को आवंटित करने का समय भी एक महत्वपूर्ण कारक होगा क्योंकि इससे पता चलेगा कि क्या मौजूदा सरकार के दौरान भूमि अधिकारों का हस्तांतरण पूरा हुआ है या एलजी मनोज सिन्हा के नेतृत्व वाली सरकार ने यह कदम उठाया है। विदेशी को जमीन के हस्तांतरण के कानूनी पहलू पर भी विचार किया जाना चाहिए क्योंकि अगर कानून के तहत किसी विदेशी को राज्य की जमीन देने का कोई प्रावधान नहीं है, तो यह सौदा अपने आप ही शून्य हो जाएगा। कई विधायकों ने सुझाव दिया है कि यह मामला गंभीर है और इसलिए जल्द से जल्द सच्चाई का पता लगाना समय की मांग है, ताकि जवाबदेही तय हो और जम्मू-कश्मीर के लोगों को यह संतुष्टि मिले कि यूटी सुरक्षित हाथों में है।

महिला सशक्तिकरण के मायने

डॉ. सुनीता शर्मा

8 मार्च के आसपास आते ही महिला सशक्तिकरण, महिला अधिकारों को लेकर समाज का एक तबका जोर-शोर से बातें करनी शुरू कर देता है। नारेबाजी, प्रदर्शन, स्लोगन, पोस्टर, विज्ञापनों के माध्यम से सशक्त होती महिला के विषय में खूब लिखा जाता है। क्या यह केवल एक-दो दिन के लिए विचार है या अनवरत प्रक्रिया? महिलाओं के उत्थान, विकास व प्रगति के लिए दुनिया भर के संगठन महिलाओं का महिमा मंडन करने लगते हैं। बिंदी लगाती, साड़ी-सूट पहनती भारतीय महिला को पिछड़ा हुआ दिखाने में हमारा समाज, सोशल मीडिया, फिल्में इतनी तत्पर हैं और यह बताने में हिचकिचाती नहीं कि क्यों महिलाएं संस्कारी बन, घरेलू जिम्मेदारियां का निर्वहन करें ?

भारतीय समाज का सबसे सशक्त स्तंभ हमारा परिवार ही है। पढ़ी-लिखी महिला अगर घर से बाहर निकल कर काम नहीं कर रही हैं तो उसे भी ग्रेट सोशल वेस्ट तक कहने में हम हिचकिचाते नहीं हैं। वहीं, इस्लामिक देशों की बात करें तो तीन तलाक के दंश को झेलती, बुर्का, हिजाब पहनी घरेलू महिलाओं को भी वेस्टर्न मीडिया कभी दबा, कुचला, असहाय नहीं दिखाता तथा उनके पक्ष में संवाद करने व उनके विकास के लिए कटिबद्ध होता प्रतीत नहीं होता है। विगत वर्षों में जब ईरान में महिलाओं ने बुर्के व हिजाब के विरोध में प्रदर्शन किया तो किसी भी विकसित देश, वामपंथी प्रोग्रेसिव लोगों की ओर से उन महिलाओं के पक्ष में कोई लामबंदी नहीं हुई, ना तो कोई लेख लिखे गए, ना टीवी पर चर्चा हुई और अंततः उन प्रदर्शनकारी महिलाओं को जेल में डाल दिया गया या मार दिया गया। अगर यह स्थिति भारत में पर्दा प्रथा के विरुद्ध होती तो चौतरफा हमले व लामबंदी शुरू हो जाती। आमिर खान प्रोडक्शन में महाराज, लापता लेडिज फिल्में बनीं। हम कह सकते हैं कि देवदासी प्रथा और पर्दा प्रथा के क्या नुकसान हो सकते हैं- विषय पर कार्य किया गया और हिंदू समाज ने इसका स्वागत भी किया लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि क्या मुस्लिम बहनों का दर्द, डर और पीड़ा उन्हें दिखाई नहीं देती है? क्यों अभी तक तीन तलाक, बुर्का, हिजाब और एक पत्नी विवाह को आधार बनाकर मुस्लिम बहनों के अधिकारों व हक को भी आवाज़ देने की आवश्यकता आमिर खान को महसूस नहीं हुई।

भारतीय समाज में महिलाएं वैदिक काल से ही प्रतिष्ठित व सम्मानित रहीं हैं। ऋषि पत्नी, पुत्री, राजकुमारियों को तो अस्त्र-शस्त्र, शास्त्र में पारंगत किया जाता ही था। साधारण परिवार में जन्मी बचियों को भी समान अधिकार व शिक्षा का अधिकार था। सीता, विशंभरा, शकुंतला, गार्गी, मैत्रेयी, अनुसुइया, अपाला जैसी अनेक विदुषी महिलाएं हिंदुस्तान में हुईं हैं जो शस्त्र और शास्त्र में पारंगत थीं। मध्यकाल में जब आक्रांताओं ने हिंदुस्तान पर आक्रमण किया और हमारी बहू-बेटियों को बुरी नज़र से देखकर उनका अपहरण कर शीलभंग करना प्रारंभ किया तब इन आक्रांताओं से बचने के लिए पर्दा प्रथा प्रारंभ हुई और जैसे ही देश आजाद हुआ हम इस प्रथा से भी मुक्त हुए।

जहाँ केंद्रीय सरकार ने मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक और हलाला जैसी कुप्रथाओं से मुक्ति दिलाई है। उत्तराखंड की सरकार ने समान नागरिक संहिता ही लागू कर दी है जो सबसे क्रांतिकारी कदम है। अन्य कई राय सरकारें इस विषय पर काम करने की मंशा दिखा चुकी हैं। विकसित देशों में स्वछंदता, परिवारों के विघटन व तलाक के केस लगातार बढ़ रहे हैं। वहाँ का समाज पूरी तरह दिशाहीन हो चुका है।

मार्क्सवाद के नए रूप वोक ने शिक्षा संथाओं से लेकर घरों तक में व्यक्ति को केवल अधिकारवादी, व्यक्तिवादी और स्वछंदतावादी बना दिया है तथा सरकारों और हर तरह की सामजिक संस्थाओं से असंतुष्ट बना कर छोड़ दिया है। पूरा जोर अधिकारों और अपनी मर्जी चलाने पर है और कर्तव्यों, मर्यादाओं और परम्पराओं का नाम लेना भी पाप बना दिया गया है । गलत को गलत कहना जजमेंटल होना कहा जाता है। माता-पिता भी अब बचों का मार्गदर्शन नहीं कर सकते क्योंकि ऐसा करने से जजमेंटल हो जाएंगे। फिल्म, सीरियल, ओटीटी , अखबार, शिक्षण संस्थाओं के माध्यम से यह सब भारत में भी प्रवेश कर रहा है जिसके शब्दजाल को समझ कर उससे बचना आवश्यक है। विवाह की बजाय लिव इन, बचों की जिम्मेदारी से बचना, अंग प्रदर्शन को नग्नता की बजाय बोल्ड और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कहना, विवाहपूर्व-विवाहेत्तर और अप्राकृतिक यौन संबंधों को स्वीकार्य और अधिकाधिक प्रचलित बनाना महिलाओं को सशक्त नहीं बल्कि स्वछंद, अकेला और मर्यादाहीन बनाता जा रहा है। यह अपसंस्कृति शिक्षा संस्थाओं, परिवार और व्यक्ति को खोखला कर रही है। विवाह और पारिवारिक संबंधों के स्थायित्व और उनसे मिलने वाली सुरक्षा की भावना को नष्ट कर रही है। स्त्री आर्थिक रूप से सशक्त और अधिकार संपन्न होने पर भी यदि सामाजिक और मानसिक रूप से अकेली हो जाए तो ऐसा सशक्तिकरण क्या काम आएगा? अपने धर्म, सभ्यता-संस्कृति, संस्कार की शिक्षा बंद हो जाने के कारण इस दिशाभ्रम को रोकना असंभव लगने लगा है।

महिला सशक्तिकरण के विषय में बात करने पर दिल्ली की अध्यापिका इंद्राणी भास्कर ने कहा कि मेरे लिए महिला सशक्तिकरण का अर्थ है कि मेरा पूरा परिवार मेरा सम्मान करे, पति बराबरी का हक दे। आजकल महिलाएं घर और बाहर दोनों संभालती हैं, उनकी कमियों को नजरअंदाज किया जाए और उन्हें डोरमैट की तरह से प्रयोग में ना लाया जाए, ना ही घर में और ना ही ऑफिस में। परिवार में लड़की होना बोझ ना समझा जाए। समाज इस विचार से बाहर निकले। लड़की को भी संस्कार व शिक्षा दी जाए। औरतों के साथ अगर शोषण हो तो समाज एकजुट होकर खड़ा हो ताकि महिलाओं को ही एहसास रहे कि समाज उसके साथ है।

वहीं, बिहार की राजधानी पटना से राजीव सिन्हा ने कहा कि देश की आधी आबादी महिला है। बिना उनकी बराबरी और आजादी, सोशल रिस्पेक्ट के देश आगे नहीं बढ़ सकता। अब महिलाओं पर घर परिवार और ऑफिस सभी की जिम्मेदारी है इसलिए परिवार उसके प्रति संवेदनशील भी हो और उसके साथ भी खड़ा हो। महिलाओं के लिए भी आवश्यक है कि वे अपनी प्राथमिकता को समझते हुए अपने कैरियर का निर्णय लें।

मिशनरी स्कूल में पढ़ाने वाली बीवी कुरियन से जब बात हुई तो उन्होंने कहा कि कामकाजी महिलाओं की जिम्मेदारी अधिक है। महिलाओं का लाइफस्टाइल बेहतर हुआ है लेकिन ऐसी महिलाएं जो घर से बाहर कार्य कर रही हैं उनमें अपराधबोध भी रहता है कि उन्हें छोटे बचों को घर पर छोड़कर आना पड़ता है। अगर वे बचों के पालन-पोषण के लिए नौकरी छोड़ती हैं तो बाद में इस बात का कोई भरोसा नहीं है कि उन्हें नौकरी मिलेगी। इसलिए महिलाएं अपने कैरियर को लेकर कहीं ना कहीं अधिक सचेत हुई हैं।

गरुड़ पक्षी बलशाली है फिर भी उड़ान भरने के लिए उसे दोनों पंखों की आवश्यकता होती है। अगर एक भी पंख कमजोर है तो वह ऊंची उड़ान नहीं भर सकता

वैसे ही इस राष्ट्र रूपी गरुड़ को ऊंची उड़ान भरनी है तो उसके दोनों पंख स्त्री और पुरुष समान रूप से शक्तिशाली होने चाहिए। यह बात आज के संदर्भ में अक्षरशः सत्य है। महिला सशक्तिकरण की धारणा को विवेकानंद जी के इस कथन से बल मिलता है।

भारतीय संस्कृति जहां परिवार को जोड़कर रखने की बात करती है वहीं महिलाओं पर यह जिम्मेदारी अधिक आ जाती है कि वे परिवार और बचों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी का वहन करें और इसी कारण से शायद वर्तमान समाज में लड़कियां विवाह करने व बचों की जिम्मेदारी से बचना चाहती हैं। घरेलू जिम्मेदारी को वहन करती महिला आज की लड़कियों का आदर्श नहीं है। यह सतत् विकास की प्रक्रिया है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति ने यज्ञ में आहुति देनी है। ऐसे कई सामाजिक संगठन इस दिशा में निरंतर प्रयास कर रहे हैं। ऐसा ही एक संगठन राष्ट्र सेविका समिति है जो विश्व का सबसे बड़ा महिला संगठन है। यहां महिलाओं के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक विकास पर बल दिया जाता है। जहां शारीरिक रूप से सबल बनाने के लिए दंड, नियुद्ध की शिक्षा दी जाती है तो बौद्धिक विकास के लिए देश के वलंत विषयों पर चर्चा के माध्यम से बौद्धिक योद्धा तैयार किए जाते हैं। महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग करवाते हुए उन्हें कर्तव्यों के वहन के लिए प्रेरित किया जाता है। मात्र बदन उघाडू वस्त्र पहनकर, शराब मदिरा, सिगरेट का प्रयोग कर कोई महिला सशक्त नहीं हो सकती। ऐसे में ओटीटी, फिल्में, विज्ञापन कंपनियां महिलाओं को इस प्रकार चित्रित करना बंद करें। महिलाओं की गरिमापूर्ण प्रस्तुति ही महिला सशक्तिकरण की ओर उठता एक कदम होगा।

(लेखिका, शिक्षाविद् एवं स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

रोपवे निर्माण से केदारनाथ यात्रा में बनेंगे यात्री संख्या के नये कीर्तिमान, बढ़ेगा रोजगार

सबकुछ ठीक रहा तो वर्ष 2032 से बाबा केदार के भक्त रोपवे से केदारनाथ धाम पहुंच सकेंगे।

12.9 किमी लंबे रोपवे बनने से केदारनाथ यात्रा में प्रतिवर्ष यात्रियों की संख्या के नये कीर्तिमान भी स्थापित होंगे। यही नहीं, रोपवे निर्माण से पैदल मार्ग पर दबाव भी कम होगा और घोड़ा-खच्चरों का संचालन सुलभ होगा, जिससे किसी पैदल यात्री को कोई दिक्कत नहीं होगी।

11750 फीट की ऊंचाई पर स्थित भगवान आशुतोष के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में एक केदारनाथ यात्रा ने बीते एक दशक में नये आयाम स्थापित किए हैं। 16/17 जून 2013 की आपदा में व्यापक रूप से प्रभावित हुई थी, तब किसी ने भी उम्मीद नहीं की थी कि वर्ष 2015 से केदारनाथ यात्रा पटरी पर लौटने के साथ रफ्तार भी पकड़ लेगी। आंकड़े बयां रहे हैं कि बाबा केदार की यात्रा ने बीते एक दशक में सुरक्षित और सुलभ यात्रा के साथ कारोबार के क्षेत्र में भी नई ऊंचाई हासिल करने का संदेश दिया है। अब, केदारनाथ रोपवे की मंजूरी के बाद यात्रियों के सामने यात्रा का एक और विकल्प उपलब्ध हो जाएगा। अभी तक केदारनाथ जाने के लिए यात्री 16 किमी पैदल दूरी नापने के साथ ही हेलिकॉप्टर, घोड़ा-खच्चर, डंडी-कंडी का उपयोग करते हैं। पूरे यात्राकाल में हेलिकॉप्टर की टिकट के लिए मारामारी रहती है। ऐसे में कई यात्री धाम नहीं पहुंच पाते, पर अब ऐसा नहीं होगा।

रोपवे निर्माण के बाद कई बुजुर्ग और शारीरिक रूप से अक्षम यात्री भी सोनप्रयाग से 36 मिनट में केदारनाथ धाम पहुंच सकेंगे।

पूरे यात्राकाल में पहुंच सकेंगे 31 से 37 लाख यात्री

रोपवे निर्माण से एक घंटे में 1800 यात्री केदारनाथ की यात्रा कर सकेंगे और एक दिन में 18000 यात्री धाम पहुंच जाएंगे। अभी तक पचांग गणना के हिसाब से केदारनाथ की यात्रा कम से कम 174 दिन और अधिकतम 206 दिन संचालित होती आई है। ऐसे में तय दिनों के हिसाब से रोपवे से 31 लाख 3200 से लेकर 37 लाख 8 हजार श्रद्धालु केदारनाथ यात्रा पहुंच सकेंगे। साथ ही हेलिकॉप्टर, घोड़ा-खच्चर, डंडी-कंडी और पैदल मार्ग से पहुंचने वाले यात्रियों की संख्या अलग है। इन माध्यमों से अभी बीते तीन वर्षों में प्रतिवर्ष 15 लाख से लेकर 19 लाख तक श्रद्धालु केदारनाथ पहुंच चुके हैं। एक अनुमान के तहत रोपवे बनने के बाद सभी माध्यमों से प्रतिवर्ष 45 से 50 लाख यात्री बाबा केदार के दर्शन कर सकेंगे।

यात्रा नहीं होगी प्रभावित

रोपवे निर्माण के बाद से यात्रा प्रभावित नहीं होगी। 22 टॉवरों के माध्यम से 12.9 किमी रोपवे का संचालन होगा। खास बात यह है कि बारिश, कोहरे में भी यात्रा प्रभावित नहीं होगी। साथ ही भूस्खलन व भूधंसान से संचालन रुकने का खतरा भी नहीं है।

बीते पांच वर्षों में केदारनाथ पहुंचे यात्रियों की संख्या

वर्ष यात्रियों की संख्या

2020- 130551
2021- 242712
2022- 1563278
2023- 1961027
2024- 1652076

मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती के मुताबिक रुद्रप्रयाग केदारनाथ रोपवे बनने से केदारनाथ यात्रा को नया आयाम मिलने के साथ ही पैदल और हवाई यात्रा पर दवाब कम होगा। यात्री सुलभ व सरल तरीके से यात्रा कर सकेंगे। रोपवे निर्माण के बाद केदारनाथ यात्रा में यात्रियों की संख्या के नये कीर्तिमान बनने से इनकार नहीं किया जा सकता।

'छावा' ने तमाम भारत भक्तों को आकर्षित किया

हृदयनारायण दीक्षित

सिनेमा दृश्य श्रव्य माध्यम है। यह करोड़ों को रोजगार देता है और प्रतिभाशाली लोगों को सृजन के अवसर। लेकिन बड़े पर्दे के सिनेमा के दर्शक घटे हैं। सोशल मीडिया में अनेक रास्तों से फिल्मी दृश्य और गाने सुने-देखे जा सकते हैं। एक तरह से बहुत बड़े हाल में बैठकर अपनों के साथ फिल्म देखने का अवसर अब नहीं रहा। इधर तीन-चार फिल्में ऐसी आईं जिनमें हिंसा का अतिरेक था। कुछ वेब सीरीज में भी हिंसा और गलियों की बौछार है।

ऐसे कथानक कला का आनंद नहीं देते। सभी कलाएं आनंद मार्गी हैं। गीत-संगीत चित्त में आनंद रस का सृजन करते हैं। कुछ फिल्मों की कहानी भी रुचि पैदा करती है। सिनेमा अभी लाखों दर्शकों को सम्मोहित करता है। इस पर देश के जागरूक लोगों को खुशी मनानी चाहिए कि तमाम आधुनिक उपकरणों और तरीकों के बावजूद सिनेमा अभी भी अपना स्थान पूरी प्रतिष्ठा के साथ बनाए हुए है। इस लिहाज से निर्देशक लक्ष्मण के निर्देशन में बनी फिल्म 'छावा' दर्शकों की वाहवाही लूट रही है। इस वाहवाही के अनेक कारण हैं। केवल फिल्मांकन ही नहीं। यह अभिनय की दृष्टि से भी कमजोर फिल्म नहीं है। कसे संवाद और कलाकारों का अभिनय फिल्म के आकर्षण का कारण है। फिल्म की राष्ट्रीय चर्चा है। इसका मूल कारण औरंगजेब का व्यक्तित्व है।

औरंगजेब किसी एक व्यक्ति का नाम भर नहीं है। औरंगजेब का नाम लेते ही लगभग 350-400 साल पहले भारतीय संस्कृति और परम्परा को रौंदने वाले अत्याचारी शासक का चेहरा सामने आ जाता है। कथित सेकुलरों ने औरंगजेब की प्रशंसा में बहुत कुछ लिखा है। वह उसे फकीर और संत सिद्ध करने में आमादा हैं। औरंगजेब इस देश की संस्कृति को नष्ट करने के लिए ज्यादा जाना गया है। स्वयं ईश्वर की उपासना करता था लेकिन उसे हिन्दुओं को यह छूट देने पर ऐतराज था। औरंगजेब का एक भाई दारा शिकोह भारतीय संस्कृति और दर्शन का अनुरागी था। अब्बा शाहजहां ने दारा शिकोह के लिए उपनिषद् और वेदांत पढ़ने वाले आचार्यों की नियुक्ति की थी। उसके मन में इस संसार को जान लेने की जिज्ञासा थी। पिता ने ऐसी ही व्यवस्था औरंगजेब के लिए भी की थी। औरंगजेब ने अपने अध्यापक आचार्य को चिट्ठी लिखी थी कि, मेरे पिता ने आपको मुझे दर्शनशास्त्र पढ़ाने के लिए नियुक्त किया है, जबकि दर्शन में कोई लाभप्रद बात है ही नहीं। जो विषय समझ में नहीं आते जो, समझने और याद करने में क्लिष्ठ होते हैं, वही दर्शन शास्त्र है। अच्छा होता कि आप मुझे शहर में घेरा डालने की विधि समझाते। औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को भी जेल में डाल दिया था। फिल्म छावा में भारतीय इतिहास के महत्वपूर्ण अंश को दर्शाया गया है। फिल्म के मुख्य अभिनेता विकी कौशल के अभिनय की भी प्रशंसा हो रही है। औरंगजेब के व्यक्तित्व को पर्दे पर उतारने के लिए अतिरिक्त साहस और बुद्धि की आवश्यकता थी। फिल्म के निर्देशक इस कार्य में सफल हुए हैं।

औरंगजेब ने सनातन धर्म के सभी नियमों, आस्था और विश्वास को खत्म करने का काम किया था। काशी का मंदिर ध्वस्तीकरण औरंगजेब के काले कारनामों में से एक है। मूर्ति पूजा और मंदिरों में जाना औरंगजेब की निगाह में अपराध था। हम भारत के लोग औरंगजेब की प्रशंसा नहीं सुन सकते। छत्रपति शिवाजी आराध्य हैं। फिल्म में छत्रपति शिवाजी के पुत्र की भूमिका बहुत अच्छे तरीके से की गई है। फिल्म की कहानी का मूल आधार शिवाजी सावंत द्वारा लिखे गए उपन्यास छावा पर आधारित है। इस फिल्म ने तमाम भारत भक्तों को आकर्षित किया है। इसके अलावा औरंगजेब के मूल चरित्र को भी उजागर किया है। हम भारत के लोग विजय पर्व दशहरा का उत्सव मनाते हैं। रावण के पुतले को आग लगाते हैं। इसलिए कि रावण भारतीय ज्ञान परंपरा में खलनायक माना जाता है। विजयादशमी के दिनों में देश के कोने-कोने रामलीलाएं होती हैं। देश में अत्याचार करने वाले किसी भी आतातायी अपराधी की उपासना की अपेक्षा हमसे क्यों की जाती है। औरंगजेब भारतीय मध्यकाल के इतिहास का खलनायक था।

लेकिन सेकुलर समूह औरंगजेब की छवि को लेकर चिंतित दिखाई पड़ते हैं।

भारत की संस्कृति सभी कलाओं से भरी पूरी है। भारतीय सिनेमा भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। यूनानी दार्शनिक अरस्तु ने लिखा है कि, 卐कला प्रकृति की अनुकृति है।卐 सही बात है। अनुसरण से कलाओं का विकास हुआ है। लेकिन भारतीय कला के शतपथ ब्राह्मण की परिभाषा जान लेने लायक है-यो वे रुपम् तत् शिल्पम परम सत्ता सब तरफ रूप रूप प्रतिरूप हो रही है। सिनेमा में तमाम प्रतिभाओं का श्रम जुड़ता है। सिनेमा आकर्षित करता है।

सिनेमा के कथानक को लेकर पहले भी विरोध या समर्थन होते रहे हैं। पद्मावत फिल्म के विरोध का किस्सा लोगों को मालूम है। उस समय महारानी की छवि वैसी नहीं दिखाई गई जैसी वास्तव में है। कश्मीर फाइल्स को पूरे देश ने बहुत ध्यान से देखा था। इस कहानी में कश्मीरी पण्डितों के उत्पीड़न को फिल्माया गया था। यहां भी फिल्म के विरोधी कश्मीरी पण्डितों के उत्पीड़न के प्रकाश में आ जाने से नाराज थे। दि केरला स्टोरी नाम की फिल्म पर लगातार विवाद होता ही रहा है।

दरअसल, फिल्म निर्माण के कार्य में प्रतिभाएं सुव्यवस्थित काम करती हैं। बेशक सिनेमा किसी न किसी रूप में समाज का सच दिखाता है। फिल्मकार बेशक इतिहास आधारित फिल्म निर्माण भी करते हैं, लेकिन वह इतिहास से निर्देशित नहीं होते। इतिहास की कथाएं भी इसी तरह की हैं। भारत का अब तक का उपलब्ध इतिहास अतिरेकों से भरा पूरा है। कुछ विद्वानों का कहना है कि इतिहास के पात्रों को हम फिल्म का विषय बनाकर अच्छा नहीं करते। इतिहास भूतकाल की स्मृतिजन्य विरासत है, लेकिन अब तक लिखे गए सभी इतिहासों में तथ्यों को छिपाने या अधिक उजागर करने के आरोप लगाते हैं। भारतीय इतिहास का विरूपण हुआ है। कुछ विद्वानों ने चन्द्रप्रकाश द्विवेदी द्वारा लिखे व अभिनीत किए गए चाणक्य सीरियल की कहानी में कल्पनाशीलता का आरोप लगाया है। जबकि ऐसा सच नहीं है। सीरियल में इतिहास है। साहित्य है और भारत के लिए गर्व करने लायक अनेक तथ्य।

फिल्म निर्माता सिनेमा बनाते हैं। वह इससे भारी कमाई पाते हैं। निन्दा-स्तुति भी होती है। जरूरी नहीं कि वह देश के लिए अपने सामाजिक दायित्व का ध्यान रखें। 80 के दशक में गौतम घोष की 'पार' गोविन्द निहलानी की 'आक्रोश' और 'अर्धसत्य' जैसी फिल्मों ने सामाजिक दायित्व वाले दर्शकों को मोहित किया था। फिल्मों में इतिहास देखना गलती निकालना कोई अच्छी बात नहीं है। कला को कला, साहित्य को साहित्य और इतिहास को इतिहास की तरह रखकर ही हम जिम्मेदार राष्ट्र बन सकते हैं।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

वेन मैडसेन फिर बने डर्बीशायर के कप्तान, काउंटी चैम्पियनशिप में संभालेंगे टीम की कमान

एजेंसी

डर्बीशायर। इंग्लिश काउंटी क्लब डर्बीशायर ने अनुभवी बल्लेबाज वेन मैडसेन को दोबारा अपना कप्तान नियुक्त किया है। वह इस समर काउंटी चैम्पियनशिप में टीम की अगुवाई करेंगे। 41 वर्षीय मैडसेन ने यह भूमिका सीजन की शुरुआत से ठीक एक महीने पहले स्वीकार की, डेविड लॉयड के कप्तानी छोड़ने के फैसले के बाद उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई। इससे पहले, मैडसेन 2012 से 2016 तक डर्बीशायर के कप्तान रह चुके हैं और अपनी कप्तानी के पहले ही सीजन में टीम को डिविजन टू से प्रमोशन दिलाया था। डर्बीशायर के हेड कोच मिकी आर्थर ने मैडसेन को कप्तानी सौंपने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने क्लब की ओर से जारी एक बयान में कहा,वेन हमेशा से बेहतरीन लीडर रहे हैं और वह ड्रेसिंग रूम में काफी लोकप्रिय भी हैं। मैं बेहद खुश हूं कि वह 2025 में हमारी टीम का नेतृत्व करेंगे। उनकी अनुभवशीलता अनमोल है–उन्होंने पहले भी कप्तान के तौर पर प्रमोशन हासिल किया है और मुझे उनके नेतृत्व में टीम के प्रदर्शन को देखने की उम्मीद है। आर्थर ने यह भी कहा कि मैडसेन मैदान पर अपनी मेहनत और पेशेवर रवैये से उदाहरण पेश करते हैं।

सीबीए के स्टार गार्ड सुन मिंगहुई पैर की चोट के कारण नियमित सत्र के शेष भाग से बाहर

हांगझोउ। झेजियांग लायंस ने घोषणा की कि उनके स्टार गार्ड सुन मिंगहुई दाहिने एड़ी की हड्डी में फ्रैक्चर के कारण चीनी बास्केटबॉल संघ (सीबीए) के शेष नियमित सत्र से बाहर हो गए हैं। 28 वर्षीय सुन मिंगहुई को 5 मार्च को शान्शी लूंग्स के खिलाफ 98-100 की करीबी हार के दौरान चोट लगी। एक रिबाउंड प्रयास के दौरान उनका दायां पैर बाहरी ओर मुड़ गया। मेडिकल जांच में कैल्केनियस फ्रैक्चर की पुष्टि हुई, जिसके बाद उन्हें कम से कम चार सप्ताह के आराम की सलाह दी गई है।झेजियांग लायंस वर्तमान में 31-5 के रिकॉर्ड के साथ अंकतालिका में शीर्ष पर हैं, लेकिन अपने मुख्य खिलाड़ी के बिना उन्हें इस स्थिति को बनाए रखने के लिए अतिरिक्त दबाव का सामना करना पड़ेगा। इस सत्र में सुन मिंगहुई ने औसतन 14.8 अंक, 2.9 रिबाउंड और 9.5 असिस्ट प्रति मैच का प्रदर्शन किया है।

भारत में पहली शूटिंग लीग 24 नवंबर से

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) ने भारत में आयोजित होने वाली पहली शूटिंग लीग (शूटिंग लीग ऑफ इंडिया- एसएलआई) के लिए 24 नवंबर से 7 दिसंबर तक की तारीखें आवंटित कर दी हैं। इस लीग को आईएसएसएफ की आधिकारिक मान्यता मिलने से इसे वैश्विक स्तर पर उच्च गुणवत्ता वाली प्रतियोगिता का दर्जा प्राप्त होगा। राष्ट्रीय रायफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष कलिकेश सिंह देव ने एक बयान में कहा, हम उम्मीद करते हैं कि इस लीग में दुनिया के शीर्ष निशानेबाज भाग लेंगे, क्योंकि भारत का इस खेल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत प्रोफाइल है। आयोजन को सफल बनाने के लिए कई स्तरों पर काम जारी है और आईएसएसएफ द्वारा तारीखों का आवंटन हमें इसे विश्व स्तरीय इवेंट बनाने के लिए और अधिक प्रेरित करता है। एनआरएआई ने पहले ही घोषणा की थी कि एलेना नॉर्मन को इस लीग का सलाहकार नियुक्त किया गया है और न्यू होराइजन्स अलायंस प्राइवेट लिमिटेड को व्यावसायिक और मार्केटिंग एजेंसी के रूप में शामिल किया गया है। भारत में इस लीग के आयोजन से निशानेबाजी खेल को नई ऊंचाइयां मिलने की उम्मीद है।

अरविंद चितांबरम ने प्राग मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीता

प्राग। भारत की शतरंज में बादशाहत जारी रखते हुए ग्रैंडमास्टर अरविंद चितांबरम ने अपने करियर का पहला बड़ा खिताब जीता। उन्होंने प्रतिष्ठित प्राग मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में कई दिग्गज खिलाड़ियों को पछाड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया। तमिलनाडु के 25 वर्षीय अरविंद ने नौवें और अंतिम दौर में तुर्की के गुरेल एदिज के खिलाफ ड्रॉ खेलते हुए कुल छह अंकों के साथ खिताब अपने नाम किया। विश्व नंबर 8 आर प्रज्ञानानंदा इस टूर्नामेंट में पांच अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। उन्हें अंतिम दौर में डच ग्रैंडमास्टर अनीश गिरि के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। चीन के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी वेई यी और गिरि भी प्रज्ञानानंदा के साथ पांच अंकों पर रहे।

निर्णायक मुकाबले में दिखाया धैर्य

अंतिम दौर में अरविंद ने काले मोहरों से खेलते हुए कैरो-कान डिफेंस का उपयोग किया। उनके प्रतिद्वंदी गुरेल एदिज ने किंग्स पॉन ओपनिंग का एडवांस वेरिएशन चुना। हालांकि, जल्द ही उन्हें एक मोहरा गंवाना पड़ा और खेल जटिल हो गया। अरविंद ने संयम बनाए रखा और स्थिति को नियंत्रण में रखा। कई चालों की पुनरावृत्ति के बाद दोनों खिलाड़ियों ने ड्रा पर सहमति जताई। अरविंद चितांबरम ने जीत के बाद अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, मैंने पिछले दो दिनों से अच्छी नींद नहीं ली थी। सातवें दौर तक मैं पूरी तरह ठीक था, लेकिन बढ़त मिलने के बाद दबाव महसूस हुआ।

महिला दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी के सोशल मीडिया खाते की बागडोर वैशाली के हाथ

एजेंसी

नयी दिल्ली। शतरंज खिलाड़ी आर वैशाली ने शनिवार को कहा कि मैं महिला दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सोशल मीडिया खाते 'एक्स' को संचालित कर रोमांचित हूं, और मुझे देश का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व है। वैशाली ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सोशल मीडिया मंच एक्स को संचालित करते हुए लिखा, वणक्कम!

मैं शतरंज खिलाड़ी वैशाली हूँ और महिला दिवस पर मैं हमारे प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी जी के सोशल मीडिया खाता संचालित करने को लेकर लिए रोमांचित हूँ। जैसा कि आप में से बहुत से लोग जानते होंगे, मैं शतरंज खेलती हूँ और मुझे कई टूर्नामेंटों में हमारे प्यारे देश का प्रतिनिधित्व करने पर बहुत गर्व है। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा, ÷मैं अपनी फिडे रैंकिंग में और सुधार करना चाहती हूँ और अपने देश को और गौरवान्वित करना चाहती हूँ। शतरंज ने मुझे बहुत कुछ दिया है

और मैं अपने पसंदीदा खेल में और अधिक योगदान देने के लिए तत्पर हूँ। इसी भावना से, मैं युवा लड़कियों से कहना चाहती हूँ कि उनका जिस भी खेल में मन लगता है उसे अपनाएँ। खेल सबसे अच्छे शिक्षकों में से एक है। उन्होंने कहा, मेरे पास माता-पिता और भाई-बहनों के लिए भी एक संदेश है- लड़कियों का समर्थन करें। उनकी क्षमताओं पर भरोसा करें और वे कमाल कर देंगी। मेरे जीवन में, मुझे थिरु रमेशबाबू और थिरुमति नागलक्ष्मी जैसे सहायक माता-पिता मिले हैं। मेरे भाई, आर प्रग्गनानंद और मेरे बीच भी बहुत करीबी रिश्ता है। मुझे बेहतरीन कोच, टीम के साथी मिलने का सौभाग्य भी मिला है और निश्चित रूप से मैं विश्वनाथन आनंद सर से बहुत प्रेरित हूँ। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आज का भारत महिला एथलीटों को बहुत समर्थन देता है, जो बहुत उत्साहजनक है। महिलाओं को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने से लेकर उन्हें प्रशिक्षण देने और उन्हें पर्याप्त खेल अनुभव देने तक, भारत जो प्रगति कर रहा है वह असाधारण है। उल्लेखनीय है कि आज महिला दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए पहले ही 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा की थी।

जिसमें उन्होंने लिखा, महिला दिवस पर हम अपनी नारी शक्ति को नमन करते हैं! हमारी सरकार ने हमेशा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए काम किया है, जो हमारी योजनाओं और कार्यक्रमों में झलकता है। आज, जैसा कि वादा किया था, मेरे सोशल मीडिया खाता उन महिलाओं द्वारा संचालित किए जाएंगे जो विभिन्न क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ रही हैं। इस वादे को पूरा करते हुए शनिवार को वैशाली ने प्रधानमंत्री के 'सोशल मीडिया मंच एक्स' के संचलान की कमान संभाली।

सांचेज, अरंगुइज की विश्व कप क्वालीफायर के लिए चिली टीम में वापसी

एजेंसी

सैंटियागो। अनुभवी एलेक्सिस सांचेज और चार्ल्स अरंगुइज को पैराग्वे और इक्वाडोर के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के लिए चिली की टीम में वापस बुलाया गया है। फॉरवर्ड सांचेज ने पिछले साल जून से अपने देश का प्रतिनिधित्व नहीं किया है, जबकि मिडफील्डर अरंगुइज ने आखिरी बार अक्टूबर 2023 में रोजा के लिए खेला था।

चिली फुटबॉल महासंघ ने जारी बयान में कहा है कि मैनेजर रिकार्डो गारेका ने अर्जेंटीना में जन्मे फॉरवर्ड फर्नांडो ज़म्पेड्री को भी अपने 24 सदस्यीय दल में शामिल किया है। 37 वर्षीय फर्नांडो को पिछले महीने चिली की नागरिकता दी गई थी। ज़म्पेड्री ने अर्जेंटीना के रोसारियो सेंट्रल से चिली के क्लब में 2020 में आने के बाद यूनिवर्सिडैड कैटोलिका के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 122 गोल किए हैं। चिली 20 मार्च को असुनसियन में पैराग्वे से और पांच दिन बाद सैंटियागो में इक्वाडोर से भिड़ेगा। गारेका की टीम वर्तमान में 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी क्षेत्र की तालिका में 12 क्वालीफायर में नौ अंक लेकर नौवें स्थान पर है।

बिहार की बेटियां खेलों में दिखा रहीं दम, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बज रहा डंका

एजेंसी

पटना । बिहार की बेटियों ने खेलों में शानदार प्रदर्शन कर यह साबित कर दिया है कि यदि उन्हें सही अवसर और सुविधाएं मिलें तो वे हर क्षेत्र में सफलता के नए आयाम गढ़ सकती हैं। बिहार सरकार के प्रयासों और खेल विभाग की बेहतर व्यवस्थाओं की बदौलत महिला खिलाड़ी विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। हाल ही में उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में बिहार की महिला खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। बिहार ने कुल 12 पदक (एक स्वर्ण, छह रजत और पांच कांस्य) अपने नाम किए। लॉन बॉल्स में महिला टीम ने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

बिहार की अंशिका कुमारी ने तीरंदाजी में रजत पदक जीता। खास बात यह रही कि उन्होंने भारतीय तीरंदाजी की दिग्गज दीपिका कुमारी के खिलाफ कड़ा मुकाबला खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की। उनकी इस सफलता के बाद अंशिका को आगामी तीरंदाजी विश्व कप 2025 के लिए भारतीय सीनियर टीम में शामिल किया गया है। बिहार की महिला रग्बी टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए ओडिशा के खिलाफ फाइनल में संघर्षपूर्ण मुकाबले में रजत पदक जीता। वहीं, योगासन स्पर्धा में भी बिहार की बेटियों ने रजत पदक पर कब्जा जमाया।

ओडिशा में आयोजित अश्मिता खेलो इंडिया महिला राष्ट्रीय भारोत्तोलन चैंपियनशिप में बिहार की खुशबू कुमारी ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इसी प्रतियोगिता में शालिनी ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए जूनियर वर्ग में रजत पदक जीता। इसी तरह 68वीं नेशनल स्कूल गेम्स साइकिलिंग (रोड) चैंपियनशिप में भी बिहार की बेटियों ने दमदार उपस्थिति दर्ज कराई। यहां सुहानी ने रजत पदक जबकि अमृता, शालिनी और सुप्रिया ने कांस्य पदक जीते। बिहार की बेटियों के इस ऐतिहासिक प्रदर्शन पर भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष और दिग्गज एथलीट पी. टी. उषा ने प्रशंसा करते हुए कहा, ÷बिहार की महिला खिलाड़ी अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं।

बिहार में महिला खिलाड़ियों की इस सफलता के पीछे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विजन और खेल विभाग की शानदार योजनाओं का बड़ा योगदान है। सरकार खेल प्रतिभाओं को उभरने का भरपूर मौका दे रही है। बिहार स्पोर्ट्स अथॉरिटी (बीएसएसए) विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और सुविधाएं उपलब्ध कराकर खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही है।

गिल 'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ' की दौड़ में

एजेंसी

दुबई। भारत के युवा स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल फरवरी 'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ' की दौड़ में सबसे आगे चल रहे है। इस दौड़ में ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स भी शामिल है।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) नेफरवरी माह के लिए आईसीसी पुरुष और महिला खिलाड़ी के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर पुरस्कारों के दावेदारों के नामों की घोषणा की।

गिल ने चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट से पहले इंग्लैंड पर भारत की निर्णायक श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करके सुर्खियाँ बटोरीं और बंगलादेश पर भारत की शुरुआती जीत से पहले एकदिवसीय बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष स्थान के प्रमुख दावेदार माने जा रहे। गिल ने फरवरी में अपने पांच एकदिवसीय मैचों में 94.19 के स्ट्राइक-रेट पर 101.50 की औसत से 406 रन बनाए। इसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी में बंगलादेश के खिलाफ गिल ने नाबाद 101 रन बनाए और पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने 46 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। गिल के अलावा ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और

न्यूजीलैंड के स्टार ऑल राउंडर ग्लेन फिलिप्स इस पुरस्कार के दावेदार हैं।

महिला वर्ग में स्पिनर अलाना किंग ने मेलबर्न में महिला एशेज सीरीज़ के समापन मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद प्लेयर ऑफ़ द मंथ पुरस्कार की दावेदार बनी है। साथ ही एनाबेल सदरलैंड ने पारी की जीत में शानदार स्कोर खड़ा कर अपना टीम को अपना योगदान दिया। अंतिम नामांकित 20 वर्षीय थाई गेंदबाज़ थिपचा पुथावोंग हैं, जो नेपाल महिला त्रिकोणीय श्रृंखला में अपनी टीम के विजयी अभियान में विकेट लेने वालों में से एक थीं।

महिला वर्ग में फरवरी के लिए आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ की दावेदार ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख लेग स्पिनर अलाना किंग ने महिला एशेज सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। मेलबर्न में खेले गए स्टैंडअलोन टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए सीरीज में जीत दर्ज की। किंग ने मध्यक्रम में नेट सायवर-ब्रंट, डंकले और वायट-हॉज के महत्वपूर्ण विकेट लिये। उन्होंने पहली पारी में 45 रन देकर चार विकेट झटके। इसके बाद उन्होंने दूसरी पारी में 53 रन देकर पांच विकेट लेकर सबसे लंबे प्रारूप में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ वापसी करते हुए इस सम्मान के लिए बोर्ड पर अपना नाम दर्ज कराया। मई 2023 में पिछली विजेता थाईलैंड की बाएं हाथ की गेंदबाज थिपाचा पुथावोंग फरवरी में फिर से विकेट लेने की सूची में शीर्ष पर रही। उनकी टीम ने नेपाल महिला त्रिकोणीय सीरीज पर कब्जा किया।

गुजरात जायंट्स ने दिल्ली कैपिटल्स को पांच विकेट से हराया

एजेंसी

लखनऊ। मेघना सिंह (तीन विकेट) और डिएंड्रा डॉटिन (दो विकेट) के बाद हरलीन देओल (नाबाद 70) तथा बेथ मूनी(44) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत गुजरात जायंट्स ने वूमेंस प्रीमियर लीग के 17वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को पांच विकेट से हरा दिया। दिल्ली कैपिटल्स के178 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात जायंट्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में दयालन हेमलता (एक) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी हरलीन देओल ने बेथ मूनी के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 88 रनों की साझेदारी हुई। 12वें ओवर में मिन्नू मनी ने बेथ मूनी को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। बेथ मूनी ने 35 गेंदों में छह चौके लगाते हुए (44)रनों की पारी खेली। कप्तान एश्ली गार्डनर (22) रन

बनाकर आउट हुई। डिएंड्रा डॉटिन (24) और फीबी लिचफील्ड (शून्य) पर आउट हुई। हरलीन देओल ने 49 गेंदों में नौ चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 70) रनों की पारी खेली। काश्वी गौतम (नौ) रन बनाकर नाबाद रही। गुजरात जायंट्स ने 19.3 ओवर में पांच विकेट पर 178 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से जीत लिया।

दिल्ली कैपिटल्स की ओर से शिखा पांडे और जेस जॉनासन ने दो-दो विकेट लिये। मिन्नू मनी ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां गुजरात जायंट्स की कप्तान एश्ली गार्डनर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स के लिए मेग लानिंग और शेफाली वर्मा की सलामी जोड़ी ने तूफानी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 108 रन जोड़े। नौवें ओवर में मेघना सिंह ने शेफाली वर्मा को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। शेफाली वर्मा ने 27 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के लगाते हुए (40) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी (नौ), जेमिमाह रॉड्रिग्स (चार) और ऐनाबेल सदरलैंड (14) रन बनाकर आउट हुई। दिल्ली का पांचवां विकेट 20वें ओवर की पांचवी गेंद पर मेग लानिंग के रूप में गिरा। मेग लानिंग ने 57 गेंदों में 15 चौके और एक छक्का लगाते हुए (92) रनों की तूफानी पारी खेली। उन्हें डिएंड्रा डॉटिन ने बोल्ड आउट किया।

बंगाल बनाम उप्र मैच ड्रा, मिजोरम ने तमिलनाडु को हराया

एजेंसी

पंचकूला। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 के सातवें दिन वर्ग 'ए' के मैचों में बंगाल बनाम उत्तर प्रदेश मैच 3-3 से ड्रा रहा। एक अन्य मैच में मिजोरम ने हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु को 6-0 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। वर्ग 'ए' के पहले मैच में बंगाल और उत्तर प्रदेश के बीच कड़ी टक्कर हई और मुकाबला 3-3 से ड्रा रहा तथा दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला। साक्षी शुक्ला ने (24वें) मिनट में उत्तर प्रदेश हॉकी के लिए पहला गोल किया। हिना बानो ने (32वें) और अंजलि महतो ने (51वें) मिनट भी अपनी टीम के साथ मिलकर एक-एक गोल किये। दूसरी ओर रोहिता मिंज ने (48वें) मिनट चौथे क्वार्टर की शुरुआत में बंगाल के लिए पहला गोल किया और अपनी टीम को मैच में लड़ने का मौका दिया। इसके बाद सेलेस्टिना होरो ने (52वें) मिनट और अनीशा डुंगडुंग ने (56वें) मिनट में अंतिम क्षणों में अच्छा प्रदर्शन किया और एक-एक गोल करके खेल को बराबरी पर समाप्त

किया। वर्ग 'ए' दूसरे मैच में मिजोरम ने हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु को 6-0 से हराया। मिजोरम के लिए देविका सेन ने (आठवें', 27वें) मिनट में दो गोल किए जबकि डिंपल ने (पहले) मिनट, लालथंतलुंगी ने (दूसरे) मिनट, दीपिका ने (26वें) मिनट और अंतिम ने (45वें)मिनट एक-एक गोल करके प्रतिद्वंद्वी टीम को करारी शिकस्त दी।

अंकगणित के हिसाब से भी भारी है भारत का पलड़ा

एजेंसी

लखनऊ । चैंपियंस ट्राफी में रविवार को होने वाले फाइनल में भारत की जीत की सवा अरब उम्मीदों के बीच एक भारतीय प्रशंसक ने दावा किया है कि खेल में प्रधानता के साथ अंकों का खेल भी रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम के विश्व चैंपियन होने की ओर इशारा कर रहा है। भारतीय टीम के हर महत्वपूर्ण मैच से पहले अंकगणित से टीम की जीत हार का विश्लेषण करने वाले क्रिकेट प्रेमी श्रीकांत पोद्दार ने यूनीवार्ता से बातचीत में कहा कि दुबई में भारतीय टीम शानदार प्रदर्शन कर रही है और उसने अपने अब तक खेले गये सभी चार मैच खासे अंतर से जीते है। खेल में प्रधानता के साथ भारतीय अंकों में भी प्रधानता रखते हैं। उन्होने कहा यह कहना मुनासिब होगा कि दुबई में जो भी आया हमने उसकी नैया डुबाई है। भारत ने अपने चार मैच अलग अलग पिच पर खेले हैं और फाइनल में भारत को अलग पिच मिलेगी। रोहित की टीम के लिये यह कहा जाये कि हमारे लिये विकेट कोई भी हो, आंगन कोई भी है। हमे

नाचना आता है और निसंदेह फाइनल में भारत का पलड़ा काफी भारी है।

भारतीय प्रशंसक ने कहा सेमीफाइनल की बात करें तो न्यूजीलैंड ने 362 रन लाहौर की पटरा पिच पर बनाये हैं। लाहौर के 362 दुबई के 260 रन बराबर है और अगर चेज करने की बात आयी तो इसमें भारतीयों को कोई दिक्कत नहीं आने वाली है। गेंदबाजी की तारीफ करते हुये श्रीकांत ने कहा तीसरे मैच में विकेट बाद में जाकर स्लो हो रही थी। इसके बावजूद हमारे गेंदबाजों ने विपक्षी टीम के चार बल्लेबाजों को एलबीडब्लू,दो को बोल्ड और एक को स्टंप आउट किया। मतलब जहां विकेट स्लो था,वहां हमने सात विकेट निकाले हैं। इसलिये जसप्रीत बुमराह के बिना हमारी गेंदबाजी को कमतर आंकना प्रतिद्वंदियों की बड़ी भूल होगी।

भारतीय टीम पर अंकों की भी प्रधानता पर तर्क देते हुये उन्होने कहा चैंपियंस ट्राफी की शुरुआत 19 फरवरी को हुयी थी जबकि फाइनल नौ मार्च को खेला जायेगा। अंग्रेजी का नवां अक्षर 'आई' है और 'आई' से इंडिया होता है। इसे देख कर लगता है कि भारत संभवत- यह चैंपियनशिप जीत जायेगा। इससे पहले चैंपियंस ट्राफी के जो आठ टूर्नामेंट हुये थे वो सिर्फ आठ साल में हुये थे और यह नवां संस्करण आठ साल के बाद हो रहा है। यह महत्वपूर्ण हैं। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार टीमे साउथ अफ्रीका, आस्ट्रेलिया,न्यूजीलैंड और इंडिया। अंग्रेजी वर्णमाला के अनुसार÷सानी' यानी इन चारों का कोई सानी नही है। सेमीफाइनल में इंडिया और आस्ट्रेलिया यानी 'एआई' खेली। ए का मतलब आर्टिफिशियल और आई का इंटेलीजेंस। आर्टिफिशियल सेमीफाइनल में नहीं चला जबकि इंटेलीजेंस चल गया। इसी तरह एक अन्य सेमीफाइनल न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच हुआ। इसको एनएस भी कहा जा सकता है,मतलब नार्थ पोल और साउथ पोल।

भारत को खेल महाशक्ति बनाने के लिए केंद्र और राज्यों का समन्वित प्रयास जरूरी : मनसुख मांडविया

तेलंगाना। भारत की 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक तैयारियों और 2036 ओलंपिक की मेजबानी को मजबूत करने के उद्देश्य से दो दिवसीय चिंतन शिविर लगाया गया। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में लगे इस शिविर में विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के खेल मंत्रियों, वरिष्ठ खेल प्रशासकों, सरकारी अधिकारियों और खेल विशेषज्ञों ने भाग लिया। डॉ. मांडविया ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी करे और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी राज्यों को मिलकर प्रयास करना होगा।

चोटिल हेनरी के चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल खेलने को लेकर संशय

एजेंसी

दुबई। चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे अधिक 10 विकेट लेने वाले न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी चोटिल हाने से उनके भारत के खिलाफ होने वाले महत्वूपर्ण फाइनल मुकाबले में खेलने को लेकर संशय बना हुआ है।

हेनरी को दक्षिण अफ्रीका के साथ खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान कंधे में चोट लगी थी। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच के आखिरी ओवरों में दो ओवर गेंदबाजी की थी। चोट के बाद मैदान में वापसी के बाद हेनरी गेंद को पकड़ने के लिए छलांग लगाते हुए भी देखे गये थे। इस चोट के कारण वह अब भारत के साथ होने वाले चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल से बाहर हो सकते हैं। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड के अनुसार फाइनल से लगभग 48 घंटे पहले भी हेनरी की फिटनेस को लेकर संशय बना हुआ है।स्टीड ने कहा, मेरे हिसाब से हमारे लिए

सकारात्मक बात यह है कि वह दोबारा गेंदबाज़ी करने उतरे थे। उनके कुछ स्कैन हुए हैं और हम उन्हें फ़ाइनल में खेलने का हर संभव मौक़ा देना चाहते हैं। हालांकि इस वक़्त उनकी स्थिति अब भी अनिश्चितता के घेरे में है।

स्टीड ने कहा, वह कंधे के बल गिरने के कारण अभी भी दर्द से कराह रहे हैं। उम्मीद है कि वह जल्द ठीक हो जाएंगे।उल्लेखनीय है कि हेनरी ने टूर्नामेंट में 16.7 की औसत से 10 विकेट लिए हैं। इनमें से पांच विकेट उन्होंने भारत के खिलाफ ग्रुप मैच में लिए थे। वैसे न्यूजीलैंड के पास दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जैकब डफी का विकल्प के रूप में मौजूद है। डफी ने इस टूर्नामेंट में न्यूज़ीलैंड के लिए अब तक कोई मैच नहीं खेला है।

डब्ल्यूपीएल : आरसीबी के लिए अब करो या मरो की स्थिति, प्लेऑफ के लिए जीतने होंगे बचे दोनों मैच

एजेंसी

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी। पहले मुकाबले में गुजरात जायंट्स के खिलाफ रिकॉर्ड 202 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दर्ज की, फिर दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को आठ विकेट से हराया। लेकिन घरेलू मैदान पर खेले गए चारों मुकाबले गंवाने के बाद अब टीम प्लेऑफ से बाहर होने की कगार पर है। आरसीबी के अभी छह मैचों में सिर्फ चार अंक हैं और टीम अपने बचे हुए दो मुकाबले यूपी वॉरियर्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीतकर अधिकतम आठ अंकों तक ही पहुंच सकती है। दूसरी ओर, जायंट्स और मुंबई पहले ही आठ अंकों पर हैं, जबकि दिल्ली कैपिटल्स (10 अंकों के साथ) प्लेऑफ में पहुंच चुकी है। हालांकि आरसीबी के लिए राह मुश्किल जरूर है, लेकिन उनकी किस्मत अब भी उनके हाथों में है। वहीं, यूपी वॉरियर्स की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है।

आरसीबी के लिए जीत जरूरी

आरसीबी की प्लेऑफ की उम्मीदें यूपी वॉरियर्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले पर टिकी हैं। हारने की स्थिति में उनकी दौड़ वहीं खत्म हो जाएगी। लेकिन जीत दर्ज करने पर आरसीबी को मुंबई इंडियंस और जायंट्स के बीच होने वाले मुकाबले के नतीजे पर नजर रखनी होगी, ताकि उन्हें यह पता चल सके कि प्लेऑफ में जाने के लिए उन्हें किस टीम से नेट रन रेट में आगे निकलना होगा। फिलहाल, जायंट्स का नेट रन रेट मुंबई से बेहतर है, लेकिन आरसीबी के लिए राहत की बात यह है कि उनका आखिरी मुकाबला मुंबई से ही होगा। आरसीबी इस समय मुंबई के नेट रन रेट से लगभग 60 रन पीछे है, लेकिन अगर वे यूपी वॉरियर्स

को 10 रन से हरा दें और जायंट्स मुंबई को भी 10 रन से हरा दें, तो आरसीबी को प्लेऑफ में जाने के लिए मुंबई के खिलाफ केवल 20 रन की जीत चाहिए होगी। दूसरी ओर, जायंट्स से आगे निकलने के लिए आरसीबी को यूपी और मुंबई के खिलाफ कुल मिलाकर लगभग 62 रन के अंतर से जीत दर्ज करनी होगी, बशर्ते जायंट्स मुंबई से केवल 10 रन से हारे।

क्या दिल्ली कैपिटल्स सीधे फाइनल में पहुंचेगी?

दिल्ली कैपिटल्स लीग चरण का अंत टॉप पर रहते हुए कर चुकी है, लेकिन उनकी सीधी फाइनल एंट्री तय नहीं हुई है। ऐसा इसलिए क्योंकि मुंबई और जायंट्स दोनों ही अंक तालिका में उनसे आगे निकल सकते हैं।

मुंबई दोनों मैच जीतकर पहले स्थान पर पहुंच सकती है, जबकि जायंट्स अगर मुंबई को बड़े अंतर से हरा देती है तो वे भी टॉप पर पहुंच सकते हैं। जायंट्स को मुंबई के खिलाफ 17 रन या 12 गेंद शेष रहते (अगर पहली पारी का स्कोर 180 हो) जीत दर्ज करनी होगी, जिससे वे दिल्ली के ह्रक्रसे आगे निकल सकें। वहीं, मुंबई इस समय दिल्ली से लगभग 30 रन पीछे है, यानी अगर वे एक मैच 10 रन से हार जाते हैं, तो उन्हें दूसरा मैच करीब 40 रन से जीतना होगा। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या आरसीबी अंतिम मौके का फायदा उठाकर प्लेऑफ में जगह बना पाती है या नहीं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.78 अरब डॉलर घटकर 638.69 अरब डॉलर पर

मुंबई/नई दिल्ली। विदेशी मुद्रा भंडार में एक बार फिर गिरावट दर्ज हुई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 फरवरी को समाप्त हफ्ते में 1.78 अरब डॉलर घटकर 638.69 अरब डॉलर रह गया है। इससे पिछले हफ्ते देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.76 अरब डॉलर बढ़कर 640.48 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 28 फरवरी को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.78 अरब डॉलर घटकर 638.69 अरब डॉलर रहा है। इस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां भी 49.3 करोड़ डॉलर घटकर 543.35 अरब डॉलर रह गईं। आंकड़ों के मुताबिक 28 फरवरी को समाप्त हफ्ते में स्वर्ण भंडार का आरक्षित मूल्य 1.30 अरब डॉलर घटकर 73.27 अरब डॉलर रह गया। हालांकि, इस अवधि में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 2.7 करोड डॉलर बढ़कर 17.99 अरब डॉलर पर पहुंच गया। रिजर्व बैंक के अनुसार इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 1.2 करोड़ डॉलर घटकर 4.08 अरब डॉलर रहा।

शेयर बाजार में 2 दिन से जारी तेजी थमी, उतार चढ़ाव के बीच सपाट स्तर पर बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले 2 दिन से जारी तेजी थमती हुई नजर आई। आज सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन लगातार उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद शेयर बाजार सपाट स्तर पर मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ बंद हुआ। निफ्टी ने 0.03 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, रियल्टी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह बैंकिंग, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर ऑयल एंड गैस, मेटल, कैपिटल गुड्स और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज के कारोबार में लगातार उतार-चढ़ाव होने के बावजूद स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हो गया।

सेबी अध्यक्ष ने बोर्ड के भीतर हितों के टकराव के संबंध में पारदर्शिता पर दिया जोर

मुंबई/नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के नए अध्यक्ष तुहिन कांत पांडेय ने एक ऐसी व्यवस्था लेकर आने का वादा किया, जिसमें सेबी बोर्ड के सदस्यों के लिए हितों के टकराव के बारे में जनता को बताना जरूरी होगा। पांडेय ने सेबी बोर्ड के भीतर हितों के टकराव के संबंध में पारदर्शिता की आवश्यकता पर बल दिया है। तुहिन कांत पांडेय ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि पारदर्शिता सेबी के लिए भी महत्वपूर्ण है। इसलिए पूंजी बाजार नियामक अब अपने कर्मचारियों के हितों के टकराव का खुलासा करेगा। सेबी के प्रमुख का पद संभालने के बाद अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में में सेबी के अध्?यक्ष ने कहा कि पारदर्शिता के दृष्टिकोण से ऐसा करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वृद्धि की रफ्तार कायम रखने के लिए घरेलू और विदेशी, दोनों प्रकार की पूंजी की जरूरत है। सेबी प्रमुख ने कहा कि इस तरह के कदमों से सेबी को समूचे परिवेश का भरोसा हासिल करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, हम अपनी खुद की योजना के साथ आगे आएंगे ताकि अधिक पारदर्शिता के साथ हितों के टकराव आदि को जनता के सामने उजागर किया जा सके। पांडेय ने कहा, मुझे लगता है कि भरोसा और पारदर्शिता का मसला सेबी तक भी जाता है। हमें न केवल सभी हितधारकों का भरोसा अपने ऊपर बनाना है, बल्कि उस भरोसे को बनाए भी रखना है।

सत्व डेवलपर्स और ब्लैकस्टोन स्पॉन्सर्ड नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट ने आईपीओ के लिए ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट दाखिल किया

मुंबई/नई दिल्ली। सत्व ग्रुप और ब्लैकस्टोन के बीच एक संयुक्त उद्यम, नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट (आरईआईटी) ने पब्लिक को यूनिट जारी करके 6,200 करोड़ रुपये की कुल राशि जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट दाखिल किया है। नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट भारत में हाई-क्वालिटी वाले ऑफिस पोर्टफोलियो का मालिक और मैनेजर है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा ड्राफ्ट ऑफर डॉक्यूमेंट दस्तावेज के मुताबिक नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट के प्रायोजक ब्लैकस्टोन और सत्व डेवलपर्स ने संयुक्त रूप से इश्यू लाने के लिए सेबी के समक्ष आवेदन किया है। सत्व समूह और ब्लैकस्टोन के बीच एक संयुक्त उद्यम आरईआईटी ने अपने आवेदन में कहा कि इसका लक्ष्य आईपीओ के जरिए 6,200 करोड़ रुपये तक जुटाना है, जो भारत की सबसे बड़ी रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट लिस्टिंग हो सकती है।

सन-डेज़ कंपनी की दो वर्षों में 100 स्टोर शुरू करने की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्रांडेड आईवियर उत्पादों का कारोबार करने वाली सन -डेज कंपनी ने राजधानी दिल्ली में विस्तार करते हुये अगले दो वर्षों में पूरे देश में 100 स्टोर शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी की विपणन निदेशक निहारिका बिनानी ने यहां यह घोषणा करते हुये बताया कि अभी कंपनी के नौ स्टोर हैं और अगले दो वर्षों में सौ स्टोर तक पहुंचाने की योजना है। उन्होंने कहा कि कंपनी के शोरूम में लग्जरी और स्टाइल का बेहतरीन मिश्रण मिलता है। 60 से भी ज्यादा प्रतिष्ठित ग्लोबल ब्रांडों की चुनिंदा और खास पेशकश के साथ चश्मों की एक अद्भुत रेंज जिसमें रे-बैन, प्राडा और गूची जैसे सर्वकालिक ब्रांड्स तो हैं ही, साथ ही आज के समय के ब्रांड्स कूबोरॉम

और फिलिप प्लेन भी शामिल हैं के उत्पाद हैं। ये नया स्थान उन सभी चश्मा पसंद करने वालों के लिए एक ऐसी जगह है जहां शालीनता और बेहतरीन डिजाइन के बीच समन्वय देखने मिलेगा।सन-डेज़ कंपनी के पीछे की सोच हिमालय ऑप्टिकल के चौथी पीढ़ी के निदेशक देवांश बिनानी की है, एक ऐसी कंपनी जो पिछले 85 सालों से इस उद्योग में है। उनके नेतृत्व में सन-डेज़ कंपनी ने अपनी समृद्ध विरासत को आज के समय की आधुनिक चश्मों की टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ा है, जिससे वे दिल्ली को दे पाए हैं अतुलनीय लग्जरी और स्टाइल का उपहार। हाई फैशन गॉगल्स के अलावा सन-डेज़ कंपनी नज़र के चश्में भी बनाती है, जो सहूलियत और बेहतरीन स्टाइल का समागम हैं।

इस स्टोर पर स्पोर्ट्स सनग्लासेस की भी एक विस्तृत रेंज है, जिसमें माउई जिम और ओकले जैसे ब्रांड शामिल हैं, जो खिलाड़ियों और आउटडोर रोमांचकारियों की आँखों को बचाव देने के साथ ही, बेहतर प्रदर्शन करने में भी मदद करते हैं।

एलआईसी दुनिया का तीसरा सबसे मजबूत बीमा ब्रांड

एजेंसी

मुंबई ।सरकारी जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को दुनिया के सबसे मजबूत बीमा ब्रांडों में तीसरा स्थान मिला है, जिसने 100 में से 88 ब्रांड स्ट्रेंथ इंडेक्स स्कोर हासिल किया है। ब्रांड फाइनेंस इंश्योरेंस 100 रिपोर्ट के अनुसार पोलैंड स्थित पीजेडयू ने 94.4 के बीएसआई स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, उसके बाद चाइना लाइफ इंश्योरेंस है, जो 93.5 के बीएसआई स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर है। समग्र ब्रांड मूल्य के संदर्भ में एलआईसी वैश्विक स्तर पर सबसे मूल्यवान बीमा ब्रांडों में 12वें स्थान पर है, जबकि एसबीआई लाइफ 76वें स्थान पर है, जिससे वे शीर्ष 100 में केवल दो भारतीय बीमाकर्ता बन गए हैं। ब्रांड फाइनेंस रिपोर्ट के अनुसार शीर्ष 100 बीमा ब्रांडों ने 2025 में ब्रांड मूल्य में 9 प्रतिशत की वृद्धि की है, जो बेहतर अंडरराइटिंग परिणामों, उच्च निवेश आय, बढ़ती ब्याज दरों और बढ़ी हुई लाभप्रदता से प्रेरित है। बीमा उत्पादों की मांग में वृद्धि के कारण शीर्ष बीमा ब्रांडों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा है। आर्थिक सुधार और सकारात्मक बाजार भावना ने निवेशकों का विश्वास मजबूत किया है, जबकि रणनीतिक विलय, अधिग्रहण और तकनीकी प्रगति ने उद्योग के विकास को गति दी है।

बीओबी ने महिला एनआरआई के लिए लॉन्च किया बचत खाता

एजेंसी

कोलकाता। बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने पहली बार सार्वजनिक क्षेत्र में विशेष रूप से अप्रवासी भारतीय महिलाओं के लिए 'बॉब ग्लोबल वूमेन एनआरई और एनआरओ' बचत खाता लॉन्च किया है, जिसे उनकी वैश्विक आकांक्षाओं और विशिष्ट बैंकिंग आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है।

इसके अलावा बैंक ने अपने प्रमुख एनआरआई उत्पाद 'बॉब प्रीमियम एनआरई और एनआरओ' बचत खातों को भी नए स्वरूप में पेश किया है, जिसमें ग्राहकों को बेहतर बैंकिंग अनुभव देने के लिए सुविधाओं और लाभों को उन्नत किया गया है।

'बॉब ग्लोबल वूमेन एनआरई और एनआरओ' बचत खाता कई अनूठे लाभों के साथ पेश किया गया है, जिनमें ऑटो स्वीप सुविधा, जिससे ग्राहकों को अधिक ब्याज अर्जित करने का अवसर मिलेगा, रियायती होम और ऑटो लोन दरें, कम प्रोसेसिंग शुल्क, लॉकर किराए पर 100 प्रतिशत छूट, कस्टमाइज्ड डेबिट कार्ड के साथ मुफ्त घरेलू और अंतरराष्ट्रीय लाउंज एक्सेस और निःशुल्क व्यक्तिगत एवं हवाई दुर्घटना बीमा शामिल हैं। यह सुविधा प्रदान करने वाला बैंक ऑफ बड़ौदा पहला सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक बन गया है।

बैंक ऑफ बड़ौदा की कार्यकारी निदेशक बीना वहीद ने कहा कि बैंक ऑफ बड़ौदा एक अंतरराष्ट्रीय बैंक के रूप में अपने एनआरआई ग्राहकों की आकांक्षाओं को समझता है। यह विशेष बचत खाता वैश्विक भारतीय महिलाओं की बदलती जरूरतों को पहचानते हुए उन्हें प्रीमियम बैंकिंग विशेषाधिकार और सुविधाएं प्रदान करता है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, बैंक ऑफ बड़ौदा महिलाओं की वैश्विक यात्रा में उनके भरोसेमंद बैंकिंग भागीदार बनने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहल महिला एनआरआई ग्राहकों को सशक्त बनाने और उनकी वित्तीय आवश्यकताओं को सहज एवं प्रभावी ढंग से पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

अगले 12 महीने में भारत का स्वयं का एआई का आधारभूत मॉडल होगा: वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस वर्ष मेड इन इंडिया पहली चिप बनने की उम्मीद जताते हुये यहां कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के क्षेत्र में अब अगले 12 महीने बाद स्वयं के आधारभूत मॉडल भी होंगे।

श्री वैष्णव ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा देश में 5 सेमीकंडक्टर इकाइयों का निर्माण किया जा रहा है और इस वर्ष हमें पहली मेड इन इंडिया चिप रोल आउट देखनी चाहिए। कल ही हमने 14000 जीपीयू के लिए पहली सामान्य कंप्यूट सुविधा शुरू की है। ये 14000 जीपीयू अब हमारे सभी शोधों, छात्रों स्टार्टअप्स के लिए उपलब्ध होंगे ताकि वे अपने एआई मॉडल एल्गोरिदम का परीक्षण कर सकें और ऐसे अनुप्रयोग बना सकें जो विश्व जीतेंगे और उम्मीद है कि अब से 12 महीने बाद हमारे पास अपने स्वयं के आधारभूत मॉडल भी होंगे। हमारे पास पहले से ही फाउंडेशनल मॉडल विकसित करने के लिए 67 एप्लीकेशन हैं और उनमें से लगभग 4 में से 5 बहुत परिपक्व हैं, जहाँ लोगों ने पहले से ही कुछ काम किया है और वे काम को अगले स्तर पर ले जाने की स्थिति में हैं। इसलिए यह वास्तव में बहुत ही रोमांचक समय है और मुझे लगता है कि हम पूरी तरह से नई औद्योगिक क्रांति से गुज़र रहे हैं। मुझे लगता है कि आज जिस तरह से चीजें आगे बढ़ रही हैं, जिस तरह से तकनीक बदल रही है, यह अभूतपूर्व है।

उन्होंने कहा हमने विभिन्न प्रकार के समाधान देखे हैं जो लोग लेकर आए हैं और समस्याओं की अभूतपूर्व विविधता जिसे वे हल करने का प्रयास कर रहे हैं। युवाओं में अद्भुत ऊर्जा है। आज 80प्रतिशत स्टार्टअप एआई हैं। लगभग 4 लाख एआई पेशेवर आज विभिन्न विषयों पर काम कर रहे हैं। स्टैंडफोर्ड विश्वविद्यालय ने भारत को नंबर एक एआई प्रतिभा राष्ट्र का दर्जा दिया है। इसलिए मुझे लगता है कि समय वास्तव में रोमांचक है और मुझे लगता है कि हम निश्चित रूप से दुनिया के उन कुछ देशों में से होंगे जो प्रौद्योगिकी के अत्याधुनिक युग में हैं। मंत्री ने 2014 से देश में बदलाव आने का उल्लेख करते हुये कहा ÷ हम कुछ बहुत ही रोमांचक समय से गुजर रहे हैं।

2014 से हमारे देश में जो बदलाव आया है, वह एक ऐसे देश की नींव रखने जा रहा है जो 2014 से पहले के देश से बहुत अलग है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमें दृष्टि दी है, प्रेरणा दी है और हमें वह आत्मविश्वास और संसाधन दिए हैं कि हम वास्तव में बड़ा सोचें और समाधान निकालें, न केवल आज की समस्याओं को हल करें बल्कि भविष्य की समस्याओं को हल करने की नींव भी रखें। तकनीक का विकास सिर्फ दुनिया को प्रदान की जाने वाली सेवा न हो बल्कि तकनीक का विकास करें, उत्पाद विकसित करें और उन शीर्ष 5 देशों में शामिल हों, हो सकता है किसी दिन जी7 की तरह जी20 के लोग टी5 की बात करना शुरू कर दें, इसलिए शीर्ष 5 प्रौद्योगिकी राष्ट्रों में हम उसका हिस्सा हैं। यही वह प्रेरणा है जो हमें उनसे मिल रही है।

अहमदाबाद में गोदरेज इंडस्ट्रीज ने 'समागम' प्लेटफॉर्म किया लॉन्च

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में गोदरेज इंडस्ट्रीज के केमिकल बिजनेस ने'समागम' प्लेटफॉर्म लॉन्च किया।गोदरेज इंडस्ट्रीज (केमिकल्स) के कार्यकारी निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी विशाल शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि 'समागम' उद्योग जगत के अग्रणी, निर्माताओं, फॉर्म्युलेटरों, चैनल भागीदारों और क्षेत्र के विशेषज्ञों को एकजुट करने वाला अपनी तरह का पहला मंच है। उन्होंने कहा, बाजार तेजी से विकसित हो रहे हैं इसलिए नवीनता और सहयोग की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। विशेषज्ञता और नवीनता की विरासत के साथ हमें अपनी व्यावसायिक पेशकशों से आगे बढ़कर एक नई पहल समागम शुरू करने पर गर्व है। श्री शर्मा ने कहा कि घरेलू केयर, ब्यूटी और व्यक्तिगत देखभाल, ल्यूब्रिकेंट्स और मेटल वर्किंग तरल पदार्थ, खाद्य

और पेय पदार्थ, कृषि रसायन, पेंट और कोटिंग्स और अन्य जैसे क्षेत्रों में उभरते बाजार के रुझान, नवाचार और चुनौतियों पर केंद्रित समागम का उद्देश्य लगातार बदलते उद्योग क्षेत्र में सहयोग को प्रोत्साहन देना और व्यापार को बढ़ाना है। बढ़ती मांग, तकनीकी प्रगति, टिकाऊ दृष्टिकोण और नियामक परिवर्तनों के कारण भारत के औद्योगिक क्षेत्र तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रहे हैं तब समागम हितधारकों को समाधान इस गतिशील वातावरण में आगे बढ़ने के लिए सोल्यूसन तलाशने और अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा,अहमदाबाद सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल विनिर्माण, डेटुसी ब्रांडों का केंद्र है और घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों का समर्थन करने वाला एक मजबूत अनुबंध विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र है इसलिए पहले संस्करण के लिए रणनीतिक रूप से इसे चुना गया। उभरते रुझानों का पता लगाने और टिकाऊ और दूरदर्शी समाधानों के साथ भविष्य को आकार देने के लिए हितधारकों को एक साथ लाकर, यह पहल लगातार बदलते औद्योगिक क्षेत्र में हमारे भागीदारों के लिए सार्थक प्रगति को सक्षम करने की हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। गोदरेज इंडस्ट्रीज (केमिकल्स) के कार्यकारी निदेशक ने कहा कि गोदरेज इंडस्ट्रीज (केमिकल्स) की गुजरात में मजबूत और स्थायी उपस्थिति है। 1996 से, इसकी वालिया सुविधा राज्य के औद्योगिक इकोसिस्टम तंत्र की आधारशिला रही है।

पतंजलि का 1,500 करोड़ रुपये का मेगा फूड पार्क रविवार से शुरू होगा

एजेंसी

नागपुर/नई दिल्ली। पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड ने कहा कि नागपुर में 1,500 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित उसका मेगा खाद्य प्रसंस्करण संयंत्र रविवार से परिचालन शुरू कर देगा। इसका उद्घाटन केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और योग गुरु रामदेव सहित अन्य की मौजूदगी में किया जाएगा। पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के प्रबंध निदेशक (एमडी) आचार्य बालकृष्ण ने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि नागपुर के मिहान में 1,500 करोड़ रुपये के कुल निवेश से 'पतंजलि मेगा फूड एंड हर्बल पार्क' का उद्घाटन 9 मार्च को किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और योग गुरु रामदेव भी मौजूद रहेंगे। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि यह संयंत्र क्षेत्र में कृषि क्रांति लाएगा और विदर्भ के किसानों के

जीवन में खुशहाली लाएगा। उन?होंने कहा कि नागपुर में पतंजलि का संतरा प्रसंस्करण संयंत्र एशिया में सबसे बड़ा और सबसे उन्नत है। बालकृष्ण ने कहा कि 800 टन प्रतिदिन की क्षमता वाला यह संयंत्र संतरे के साथ-साथ इसके उप-उत्पादों और अन्य फलों का प्रसंस्करण भी करेगा। उन्होंने कहा कि यह सुविधा क्षेत्र के किसानों की स्थिति बदल देगी।

बिरला ओपस पेंट्स का पहला पेंट स्टूडियो

एजेंसी

नयी दिल्ली। आदित्य बिरला समूह के तहत ग्रासिम इंडस्ट्रीज का हिस्सा बिरला ओपस पेंट्स ने दिल्ली एनसीआर के गुरूग्राम में अपना पहला बिरला ओपस पेंट स्टूडियो शुरू किया है जो इस उद्योग में पहला अनुभव केंद्र होने के नाते ग्राहकों के रंगों को खोजने और चुनने के तरीके को फिर से परिभाषित करेगा।

बिरला ओपस पेंट्स के सीईओ रक्षित हरगवे ने इसका शुभारंभ करते हुये आज कहा कि पेंट उद्योग में यह मील का पत्थर इनोवेशन, प्रीमियम पेशकशों और वास्तव में इमर्सिव ग्राहक अनुभव के माध्यम से पेंट और डेकोर उद्योग को बदलने के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अनुभवात्मक खुदरा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए कंपनी आने वाले महीनों में दिल्ली, मुंबई, नवी मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, जयपुर, अहमदाबाद और सूरत में अतिरिक्त

अनुभव केंद्र खोलने की योजना बना रही है, जिसका उद्देश्य भारत का दूसरा सबसे बड़ा सजावटी पेंट ब्रांड बनना है।

उन्होंने गुरुग्राम में आज लॉन्च किए गए इस सेंटर में 170 से ज़्यादा उत्पाद हैं, जिसमें उपभोक्ताओं के लिए खास विकल्पों का चयन है और यह कंपनी की विकास रणनीति में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में अपने खुदरा क्षेत्र का विस्तार करना है।

उन्होंने कहा 'भारत में उपभोक्ता उत्पाद खरीदते समय या सेवाएँ प्राप्त करते समय नए और अधिक गहन विकल्पों को तलाशने के लिए तैयार हैं। उपभोक्ता व्यवहार में इस बदलाव को महसूस करते हुए, हम बिरला ओपस पेंट्स में ऐसे इमर्सिव स्पेस बना रहे हैं जो घर के मालिकों को अपनी कहानियाँ गढ़ने में सक्षम बनाते हैं। यह अनुभव केंद्र उत्कृष्टता, नवाचार, समझौता रहित गुणवत्ता और हमारे इस विश्वास के प्रति हमारी स्थायी प्रतिबद्धता का प्रमाण है कि हर घर को एक व्यक्तिगत स्पर्श मिलना चाहिए। इस केंद्र में ग्राहक हमारे पेंट, डिज़ाइनर फ़िनिश और वॉलपेपर के साथ बिल्कुल नए और अनूठे तरीके से जुड़ सकते हैं। हमारा लक्ष्य पेंटिंग को एक साधारण काम से ज़्यादा बनाना है, इसे अलग-अलग कहानियों को दर्शाने वाली जगहों को बदलने की कला में बदलना है। यह विस्तार भारत का दूसरा सबसे बड़ा सजावटी पेंट ब्रांड बनने की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो ग्राहकों के लिए नवाचार, सुविधा और उत्कृष्टता सुनिश्चित करता है।'

मूंगफली तेल सस्ता; चना और दाल चना गिरी

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में मूंगफली तेल सस्ता हो गया तथा चना और दाल चना के भाव गिर गए वहीं अन्य जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में मार्च का पाम ऑयल वायदा 77 रिंगिट चढ़कर 4821 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.16 सेंट की गिरावट के साथ 43.01 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में मूंगफली तेल में 294 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट को छोड़कर अन्य खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी:मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के

बाजार में चना और दाल चना के 150-150 रुपये प्रति क्विंटल गिरने के अलावा अन्य दालों में टिकाव रहा। मसूर दाल, मूंग दाल और उड़द दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे :-

दाल-दलहन : चना 5700-5800, दाल चना 6700-6800, मसूर काली 7300-7400, मूंग दाल 9250-9350, उड़द दाल 9200-9300, अरहर दाल 8400-8500 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 3100-3200 रुपये और चावल :3150-3250 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 4280-4380, चीनी एम. 4300-4400, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4250-4350 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

खाद्य तेल : सरसों तेल 16116 रुपये, मूंगफली तेल 18168 रुपये, सूरजमुखी तेल 16703 रुपये, सोया रिफाइंड 15751 रुपये, पाम ऑयल 13553 रुपये और वनस्पति तेल 16336 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

डीपीआईआईटी और मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने विनिर्माण, सड़क सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए किया समझौता

नई दिल्ली,। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) और मर्सिडीज-बेंज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम में नवाचार, स्थिरता और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस एमओयू पर डीपीआईआईटी के निदेशक डॉ. सुमीत कुमार जारंगल और मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक संतोष अय्यर ने दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य तकनीकी उत्कृष्टता प्राप्त करने और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने में स्टार्टअप, इनोवेटर्स और उद्यमियों का समर्थन करना है। मंत्रालय ने कहा कि इस एमओयू के तहत मर्सिडीज-बेंज इंडिया स्टार्टअप्स को बुनियादी ढांचा, मार्गदर्शन, फंडिंग तक पहुंच और बाजार संपर्क प्रदान करके समर्थन देने के लिए डीपीआईआईटी के साथ मिलकर काम करेगी। यह साझेदारी भारत सरकार की स्टार्टअप इंडिया पहल के अनुरूप है, जो उभरते इनोवेटर्स और उद्यमियों की व्यापक पहुंच और अधिक भागीदारी सुनिश्चित करती है।

जन औषधि दिवस पर पूरे देश में जनऔषधि केन्द्रों पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आम लोगों को किफायती मूल्य पर बेहतर गुणवत्ता वाली अंग्रेजी दवायें उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से हर साल सात मार्च को मनाये जा रहे जन औषधि दिवस के मद्देजनर देश भर में जनऔषधि केन्द्रों पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इसके तहत एक मार्च से सात मार्च तक विशेष अभियान के तहत कार्यक्रमों का आयोजन किया गया और विशेषतौर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमें स्वास्थ्य शिविर आदि का आयोजित कर लोगों को जनऔषधि के बारे में बताया गया।

हर साल 7 मार्च को 'जन औषधि दिवस' मनाया जाता है ताकि इस योजना के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके और जेनेरिक दवाओं के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा सके। इस पहल को समर्थन देने के लिए 1 से 7 मार्च तक पूरे देश में सप्ताह भर के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस वर्ष, 1 मार्च को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में पीएमबीजेपी के बारे में जानकारी प्रसारित करने के लिए समारोह की शुरुआत की गई। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) ने आम जनता को किफायती दामों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयाँ उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे देश के हर कोने तक स्वास्थ्य सेवा पहुँचना सुनिश्चित हुआ है। सभी जिलों में अब 15,000 से अधिक जन औषधि केंद्रों के चालू होने के साथ, इस योजना ने न केवल स्वास्थ्य सेवा की सामर्थ्य को बढ़ाया है, बल्कि स्वरोजगार के लिए एक अवसर भी बनाया है, जिससे स्थायी और नियमित आय की प्राप्त की जा रही है। अब जबकि सरकार जेनेरिक दवाओं के उपयोग को बढ़ावा देती रहेगी, इस योजना में और वृद्धि देखने को मिलेगी, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार और भारत में उद्यमिता को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका मजबूत होगी। 'प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी)' को नवंबर 2008 में रसायन और उर्वरक मंत्रालय के फार्मास्यूटिकल्स विभाग द्वारा केंद्रीय फार्मा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के सहयोग से लॉन्च किया गया था । इस पहल का उद्देश्य प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र (पीएमबीजेके) नामक समर्पित दुकानों के माध्यम से जनता को सस्ती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयाँ उपलब्ध कराना है।प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) का उद्देश्य सभी को किफायती दामों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयाँ उपलब्ध कराना है। इस पहल के तहत प्राथमिक लक्ष्यों में से एक है जेनेरिक दवाओं के लाभों के बारे में जनता को शिक्षित करना, इस बात पर ज़ोर देना कि सस्ता होना गुणवत्ता से समझौता नहीं है। इस पहल का उद्देश्य इस गलत धारणा को दूर करना है कि उच्च कीमतें बेहतर गुणवत्ता का संकेत देती हैं। पीएमबीजेपी का उद्देश्य स्वास्थ्य पेशेवरों, विशेष रूप से सरकारी अस्पतालों में काम करने वाले पेशेवरों को जेनेरिक दवाओं के विकल्प लिखने के लिए प्रेरित करना है, जिससे लागत प्रभावी उपचार विकल्पों को बढ़ावा मिले।

इस पहल का उद्देश्य विभिन्न चिकित्सीय श्रेणियों में आमतौर पर प्रयुक्त होने वाली जेनेरिक दवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल उत्पाद सभी के लिए, विशेष रूप से वंचित लोगों के लिए उपलब्ध हों।

ताइवान के नाम पर परेशानी भड़काना जापान के लिए मुश्किलों की वजह बन सकता है : चीन

बीजिंग । चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा, 'ताइवान के नाम पर परेशानी भड़काना जापान के लिए परेशानी का कारण बन सकता है।' उन्होंने जापान में उन 'कुछ लोगों' को चेतावनी दी जो इतिहास पर विचार करने से इनकार करते हैं और गुप्त रूप से ताइवान के अलगाववादियों के साथ मिलीभगत करते हैं। ग्लोबल टाइम्स रिपोर्ट के मुताबिक वांग ने यह टिप्पणी 14वीं नेशनल पीपुल्स कांग्रेस के तीसरे सत्र के अवसर पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में चीन-जापान संबंधों पर क्योडो न्यूज के एक प्रश्न के उत्तर में की। वांग ने कहा कि एक-चीन सिद्धांत चीन-जापान संबंधों की राजनीतिक नींव है। हालांकि, जापान में कुछ लोग इस इतिहास पर विचार करने से इनकार करते हैं और ताइवान अलगाववादियों के साथ गुप्त रूप से सांठगांठ करते हैं। चीनी विदेश मंत्री ने कहा उन्हें याद रखना चाहिए कि ताइवान के नाम पर परेशानी भड़काना जापान के लिए परेशानी को आमंत्रित करना है। चीनी शीर्ष राजनयिक ने इस बात पर जोर दिया कि 2025, जापानी आक्रमण के खिलाफ चीनी जन प्रतिरोध की जीत की 80वीं वर्षगांठ का वर्ष है। उन्होंने कहा, इतिहास को याद रखने से भविष्य को बेहतर ढंग से आकार दिया जा सकता है।

अमेरिका और यूक्रेन अगले सप्ताह सऊदी अरब में करेंगे शांति वार्ता : जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका और यूक्रेन अगले सप्ताह सऊदी अरब में वार्ता शुरू करेंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट में यह घोषणा की। जेलेंस्की ने कहा, अगले सप्ताह, सोमवार को, क्राउन प्रिंस से मिलने के लिए मेरी सऊदी अरब यात्रा की योजना है। उसके बाद, मेरी टीम हमारे अमेरिकी साझेदारों के साथ काम करने के लिए सऊदी अरब में रहेगी। यूक्रेन शांति में सबसे अधिक रुचि रखता है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने कहा कि अगले सप्ताह सऊदी अरब में यूक्रेन के साथ बैठक की योजना बनाई गई है। उन्होंने यह भी कहा कि शांति समझौते की रूपरेखा और शुरुआती युद्धविराम के लिए कीव के साथ चर्चा चल रही है। विटकॉफ ने कहा कि पिछले व्हाइट हाउस में हुई दुर्भाग्यपूर्ण बैठक के बाद जेलेंस्की के पत्र से ट्रंप खुश हैं। उन्होंने कहा, उन्हें (ट्रंप को) लगा कि जेलेंस्की का पत्र एक बहुत ही सकारात्मक कदम था। इसमें माफी मांगी गई। इसमें यह स्वीकृति थी कि अमेरिका ने यूक्रेन के लिए बहुत कुछ किया है। साथ ही इसमें कृतज्ञता की भावना थी। इस बीच डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह संभवतः अगले डेढ़ महीने में सऊदी अरब का दौरा करेंगे, लेकिन उन्होंने तारीख का ऐलान नहीं किया।

रियायत के बाद हमने भी अमेरिकी सामानों पर जवाबी टैरिफ को फिलहाल किया स्थगित : कनाडा

ओटावा । कनाडा के वित्त मंत्री डोमिनिक लेब्लांक ने कहा कि कनाडा 2 अप्रैल तक अमेरिकी सामानों पर दूसरे दौर के टैरिफ को रोक देगा। लेब्लांक ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, संयुक्त राज्य अमेरिका ने कनाडा से (कनाडा-अमेरिका-मेक्सिको समझौता) अनुरूप निर्यात पर टैरिफ को 2 अप्रैल तक निलंबित करने पर सहमति व्यक्त की है। उन्होंने बताया, कनाडा 2 अप्रैल तक अमेरिकी उत्पादों पर 125 अरब कनाडाई डॉलर के दूसरे चरण के टैरिफ को लागू नहीं करेगा, जबकि हम सभी टैरिफ को हटाने के लिए काम करते रहेंगे। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उद्योग मंत्री फ्रेंकोइस-फिलिप शैम्पेन ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के कनाडा और मेक्सिको के कुछ सामानों पर टैरिफ को 2 अप्रैल तक टालने के बावजूद कनाडा के प्रतिशोधात्मक उपाय जारी रहेंगे। स्थानीय मीडिया के अनुसार, कनाडा के आधे से ज्यादा आयात इसके दायरे में नहीं आते और संभवतः उन्हें अभी भी नए टैरिफ का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि वे यूएसएमसीए के अनुरूप नहीं हैं। सीटीवी न्यूज में शैम्पेन के हवाले से कहा गया, ÷जब तक खतरा बना रहेगा, दबाव बना रहेगा। प्रधानमंत्री इस बारे में स्पष्ट हैं। इसे कारगर बनाने का एकमात्र तरीका दबाव बनाए रखना है।

दक्षिण कोरिया : यून की गिरफ्तारी रद्द करने की याचिका स्वीकार, अदालत का राष्ट्रपति को रिहा करने का आदेश

सोल । दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने महाभियोग का सामना कर रहे राष्ट्रपति यून सुक योल की गिरफ्तारी रद्द करने की याचिका स्वीकार कर ली। इसके साथ ही उन्हें हिरासत से रिहा करने का आदेश दिया। यून को सोल के दक्षिण में उइवांग में एक हिरासत केंद्र में रखा गया है। 3 दिसंबर को मार्शल लॉ की घोषणा के जरिए विद्रोह को भड़काने के आरोप में उन्हें 15 जनवरी को वहां लाया गया था। बता दें राष्ट्रपति यून के महाभियोग मुकदमे में जल्द फैसेले का ऐलान होने वाला है। इसे लेकर संवैधानिक न्यायालय के आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। पिछले महीने के अंत में कोर्ट ने 3 दिसंबर को मार्शल लॉ घोषित करने के मामले में यून के खिलाफ महाभियोग की सुनवाई पूरी कर ली और जल्द ही यह फैसला सुनाएगा कि उन्हें पद से हटाया जाए या नहीं। फैसला सुनाए जाने की सुनवाई की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। यदि यून को औपचारिक रूप से पद से हटा दिया जाता है, तो 60 दिनों के भीतर एक त्वरित चुनाव होगा। अगर महाभियोग खारिज हो जाता है, तो यून तुरंत अपने कर्तव्यों को फिर से शुरू कर देंगे। बता दें राष्ट्रपति यून ने 03 दिसंबर की रात को दक्षिण कोरिया में आपातकालीन मार्शल लॉ की घोषणा की, लेकिन संसद द्वारा इसके खिलाफ मतदान किए जाने के बाद इसे निरस्त कर दिया गया। मार्शल लॉ कुछ घंटों के लिए ही लागू रहा।

पाकिस्तान ने अफगानी शरणार्थियों को 31 मार्च तक देश छोड़ने को कहा, अप्रैल से शुरू होगा जबरन निर्वासन

एजेंसी

इस्लामाबाद। अवैध शरणार्थियों के खिलाफ पाकिस्तान भी अमेरिका की तरह सख्त कदम उठाने जा रहा है। पाकिस्तान ने अवैध शरणार्थियों और अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों को 31 मार्च तक देश छोड़कर जाने को कहा है। निर्धारित समय के भीतर अगर उन्होंने स्वेच्छा से पाकिस्तान नहीं छोड़ा तो उन्हें 1 अप्रैल से जबरन निर्वासित किया जाएगा। यह निर्णय सरकार के अवैध विदेशी वापसी कार्यक्रम (आईएफआरपी) का हिस्सा है, जो शहबाज शरीफ सरकार ने 1 नवंबर 2023 से लागू किया था। समाचार पत्र डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, गृह मंत्रालय ने घोषणा की है कि सभी अफगान नागरिकता कार्ड धारकों और अवैध विदेशी नागरिकों को 31 मार्च 2025 तक देश छोड़ना होगा। जो लोग इस समय सीमा के भीतर स्वेच्छा से वापस नहीं लौटेंगे, उनके 1 अप्रैल 2025 से जबरन निर्वासन

की प्रक्रिया शुरू होगी। गृह मंत्रालय ने भरोसा दिलाया है कि निष्कासन की प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार का दुर्व्यवहार नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान अपनी सीमा में हो रहे आतंकवादी हमलों और अपराधों के लिए लगातार अफगान नागरिकों को दोषी ठहरा रहा है। इन आरोपों के आधार पर साल 2023 में पाकिस्तान सरकार ने अवैध अफगान शरणार्थियों को वापस भेजने का अभियान शुरू किया था। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक 2023 के बाद से अब तक 8 लाख से अधिक अफगानी पाकिस्तान से अफगानिस्तान लौट चुके हैं। पाकिस्तान ने लगभग 2.8 करोड़ अफगान शरणार्थियों को शरण दी है। अफगानिस्तान में पिछले 40 साल से जारी संघर्षों के दौरान ये शरणार्थी अलग-अलग समय पर पाकिस्तान पहुंचे हैं। खास बात यह है कि अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद लाखों अफगान नागरिकों ने पड़ोसी देशों का रुख किया जिनमें सबसे ज्यादा संख्या में पाकिस्तान और ईरान पहुंचे। पाकिस्तान में पहले से ही लगभग 30 लाख अफगान शरणार्थी थे, जो 80 के दशक में आए थे। तालिबान की वापसी के बाद 6 लाख से अधिक नए शरणार्थी पाकिस्तान पहुंचे।

दोबारा गृहयुद्ध की चपेट में आता सीरिया, सुरक्षाबल व असद समर्थकों में खूनी संघर्ष

एजेंसी

दमिश्क। सीरिया एकबार फिर गृहयुद्ध की चपेट में है। देश के नये शासन और पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद समर्थकों के बीच गुरुवार को शुरू हुआ खूनी संघर्ष लगातार जारी है। इस टकराव में अबतक करीब 200 लोगों की जान जा चुकी है। दिसंबर में विद्रोहियों ने असद को सत्ता से हटा दिया था, जिसके बाद से पहली बार सीरिया में हिंसा का यह दौर शुरू हुआ है। 14 साल तक गृहयुद्ध की आग में जले सीरिया में पिछले साल तब शांति का दावा किया जा रहा था जब इस्लामी समूह हयात तहरीर अल-शाम के नेतृत्व वाले विद्रोही समूह ने देश की सत्ता पर कब्जा कर लिया। पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद ने देश छोड़कर रूस में शरण ली। हालांकि चंद महीने बाद ही दोबारा हिंसा शुरू हो गई।

समाचार एजेंसी सना के मुताबिक सरकारी सुरक्षा बलों ने तटीय शहर जबलेह के पास एक वांछित व्यक्ति को हिरासत में लेने की कोशिश की और असद समर्थकों ने इसका विरोध करते हुए सुरक्षाबलों पर हमला कर दिया।

जिसके बाद से सुरक्षा बल के जवान, पूर्व राष्ट्रपति असद समर्थकों पर हमले कर रहे हैं। खासतौर पर उन इलाकों में सुरक्षा बलों की यह कार्रवाई चल रही है जहां असद समर्थक और उनके परिवार का गढ़ है। सीरिया के तटीय प्रांत लातकिया में सुरक्षा बलों और बंदूकधारियों के बीच ऐसा ही खूनी टकराव हुआ जिसमें 70 लोगों की मौत हो गई।

नेपाल की ओली सरकार ने पूर्व राजा ज्ञानेंद्र को अपने दायरे में रहने की दी नसीहत

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह की बढ़ती सक्रियता और देशभर में उनके पक्ष में सड़कों पर हो रहे प्रदर्शन के बीच केपी शर्मा ओली की सरकार ने उन्हें अपने दायरे में रहने की नसीहत दी है। सरकार ने कहा है कि अब देश में राजतांत्रिक व्यवस्था का लौटना संभव नहीं है।लोकतंत्र को समाप्त करने की साजिश की जाएगी तो किसी भी कीमत पर उसको सफल नहीं होने दिया जाएगा।

कुछ दिनों पहले नेपाल के प्रजातंत्र दिवस के अवसर पर पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र ने देशवासियों के नाम वीडियो संदेश जारी करते हुए उन्हें समर्थन देने की अपील की थी। इसके बाद से ही उनके समर्थक दल देशभर में प्रदर्शन कर रहे हैं। राजधानी काठमांडू सहित कई शहरों में हुए प्रदर्शन के बाद इस पर सरकार ने अब प्रतिक्रिया दी है।नेपाल सरकार के प्रवक्ता पृथ्वी सुब्बा गुरुंग ने पत्रकार वार्ता में कहा कि पूर्व राजा और उनके समर्थकों द्वारा सड़क पर उछलकूद करने से देश में राजतंत्र

दोबारा स्थापित नहीं हो सकता है। उन्होंने पूर्व राजा को चेतावनी देते हुए कि उनको अपने दायरे में रहना चाहिए। पूर्व सूचना तथा संचार मंत्री रहे गुरुंग ने कहा कि यदि देश में लोकतंत्र को समाप्त करने की साजिश की जाएगी तो किसी भी कीमत पर उसको सफल नहीं होने दिया जाएगा। पूर्व राजा के पक्ष में बढ़ते जनसमर्थन पर कटाक्ष करते हुए सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि देशवासियों को पूर्व राजा के झांसे में नहीं आना चाहिए। जो व्यक्ति अपने परिवार और दरबार की सुरक्षा नहीं कर सकता, उसे देश की सुरक्षा के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि नेपाल एक उदार लोकतांत्रिक देश है। इसके कारण पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह सम्मान और सरकारी सुरक्षा के साथ देश में रह रहे हैं।

बांग्लादेश में कुछ भी मुमकिन : आवामी लीग नेता के घर पर हमले से लोगों में नाराजगी

एजेंसी

ढाका । ढाका के एक पॉश इलाके में इस सप्ताह की शुरुआत में आवामी लीग के एक नेता के घर पर आधी रात को हुए हमले के बाद से लोग खासे नाराज हैं। पुलिस की निष्क्रियता और राजनीति से प्रेरित हमलों को लेकर वे मोहम्मद युनूस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर निशाना साध रहे हैं। यह घर तनवीर इमाम का था। वह एच टी इमाम के बेटे हैं, जो अपदस्थ बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना के सलाहकार थे। बुधवार को 100 से ज्यादा लोगों की भीड़ [जिसमें मुख्यत- छात्र बताए जा रहे हैं] ने फ्लैट में तोड़फोड़ की। उन्होंने आरोप लगाया कि घर अंदर अवामी लीग के कार्यकर्ता छिपे हुए हैं और आसपास कहीं अवैध हथियारों और नकदी का एक बड़ा जखीरा भी छिपा हुआ है। हालांकि, तलाशी के बाद उन्होंने कुछ नहीं मिलने की बात स्वीकार की। सोशल मीडिया पर युवाओं के नेतृत्व में भीड़ द्वारा अवामी लीग विरोधी नारे लगाने और इमारत में तोड़फोड़ करने के वीडियो वायरल हो गए। ढाका पुलिस ने बाद में कहा कि उसने घटना के सिलसिले में कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है, लेकिन कई लोगों ने दावा किया कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों को तथाकथित 'तलाशी अभियान' के बारे में पहले से ही पता था और वे इसे पहले ही रोक सकते थे।

भीड़ का नेतृत्व बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ सदस्य कर रहे थे, जिन्हें कथित 'खुफिया जानकारी' मिली थी कि अवामी लीग के नेताओं ने अपने घर में हथियारों का जखीरा छिपा रखा है। बांग्लादेशी मीडिया आउटलेट बीडीन्यूज24 ने रिपोर्ट के

मुताबिक कुछ घंटों बाद उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ भी नहीं मिला। इस घटना पर बांग्लादेशी मानवाधिकार कार्यकर्ता आसिफुर रहमान चौधरी ने एक्स पर लिखा, 'फिल्मी अंदाज में, उन्होंने अपार्टमेंट का दरवाजा तोड़ा, घर में घुसे और सबकुछ लूट लिया। अब, कोई पूछ सकता है- राजधानी के एक पॉश इलाके में ऐसा कैसे संभव है? बांग्लादेश में, इन दिनों कुछ भी संभव है क्योंकि सरकार खुद ही ऐसी हरकतों को सही ठहराती है।'

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस : बांग्लादेश में बढ़ रही महिलाओं के खिलाफ हिंसा, चौंकाने वाले आंकड़ों ने खोली यूनुस सरकार की पोल

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश में महिलाओं के खिलाफ हिंसा के आंकड़ों ने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के तहत देश की गंभीर वास्तविकता को उजागर किया है। विश्व शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मना रहा है, लेकिन बांग्लादेश के हालात परेशान करने वाले हैं।बांग्लादेश महिला परिषद की अध्यक्ष फौजिया मोस्लेम ने कहा, समाज अराजकता की ओर बढ़ रहा है, जहां आपराधिक दंड से मुक्ति बढ़ रही है। कानून प्रवर्तन की नाकामी, जवाबदेही की कमी अपराधियों को मजबूत बना रही है। प्रमुख बांग्लादेशी समाचार पत्र द डेली स्टार से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यदि पूरा समाज जागरूक नहीं हुआ तो इस संकट से निपटना बेहद मुश्किल होगा।

फौजिया मोस्लेम ने कहा, 'न्याय की जगह बातचीत ने ले ली है, जिससे महिलाओं के अधिकारों का विरोध करने वालों और व्यवस्था का शोषण करने वालों को अधिक शक्ति मिल रही है।' उन्होंने कहा कि आत्मसंतुष्टि, अधिकारियों की चुप्पी, [जिसमें नेतृत्वकारी भूमिका में महिलाएं भी शामिल हैं], और कानून के प्रति सामान्य उपेक्षा, ये सभी महिलाओं के प्रति बढ़ती दुश्मनी को बढ़ावा दे रहे हैं। देश में कानून व्यवस्था की हालत पिछले अगस्त में सत्ता परिवर्तन के बाद से बेहद खराब है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों में भी बढ़ोतरी

दर्ज की गई है। ढाका स्थित मानवाधिकार सांस्कृतिक फाउंडेशन (एमएसएफ) की एक रिपोर्ट से पता चला है कि फरवरी 2025 में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा की 295 घटनाएं दर्ज की गईं, जो जनवरी की तुलना में 24 अधिक हैं। देश के प्रमुख दैनिक 'द ढाका ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, रिपोर्ट में कहा गया कि इस्लामी कट्टरपंथी समूह, आतंकवादी और अन्य चरमपंथी तत्व इन घटनाओं में स्पष्ट भूमिका निभाते हैं, जिससे महिलाओं की सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा होता है।

विभिन्न व्यवसायों से जुड़ी कुल 21 महिलाओं ने स्थानीय मीडिया को बताया कि पिछले तीन महीनों में उन्हें घर के बाहर यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। ढाका में रहने वाली 19 से 48 वर्ष की आयु की इन महिलाओं ने सड़क पर उत्पीड़न के कई मामलों की सूचना दी। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें डर है कि विरोध करने पर वे भीड़ का निशाना न बन जाए। ढाका स्थित मानवाधिकार संगठन ऐन ओ सलीश केंद्र के अनुसार, फरवरी में देश में 46 महिलाएं बलात्कार की शिकार हुईं। पीड़ित 22 18 वर्ष से कम आयु की थीं। जनवरी में यह संख्या 39 थी, जिसमें 15 नाबालिग शामिल थीं। बांग्लादेश में हाल के महीनों में विरोध प्रदर्शनों में उछाल देखा गया है। गृह मामलों के सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी के इस्तीफे की मांग बढ़ रही है जिन्हें कई लोग देश में बिगड़ती कानून व्यवस्था के लिए जिम्मेदार मानते हैं।

पाक-अफगान तोरखम सीमा पर तनाव, बॉर्डर नहीं खुलने से बढ़ सकती है काबुल की परेशानी, यूएस एजेंसी की चेतावनी

एजेंसी

काबुल । विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने चेतावनी दी कि तोरखम सीमा के बंद रहने से, आने वाले हफ्तों में अफगानिस्तान में खाद्य पदार्थों की कीमत बढ़ने की संभावना है, जिससे व्यापार प्रवाह बाधित हो सकता है और आर्थिक कठिनाइयां बढ़ सकती हैं। अमू टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक डब्ल्यूएफपी ने एक बयान में कहा कि निर्माण गतिविधियों को लेकर विवाद की वजह से बॉर्डर 22 फरवरी से बंद है जिसके कारण जरूरी चीजों, विशेष रूप से खाद्य आपूर्ति की आवाजाही रुक गई है और 5,000 मालवाहक ट्रक फंस गए हैं।डब्ल्यूएफपी के नवीनतम बाजार विश्लेषण के अनुसार, पिछले सप्ताह अफगानिस्तान में खाद्य पदार्थों की कीमतों में मामूली उतार-चढ़ाव देखा गया। चावल और चीनी की कीमतों में मामूली वृद्धि हुई है, जबकि अन्य खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट आई है, जिसका मुख्य कारण अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अफगानी मुद्रा में 0.8फीसदी की वृद्धि है। पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में, बाजार के रुझान मिश्रित बने हुए हैं - कुछ खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट आई है, लेकिन खाना पकाने के तेल और नमक की कीमतें काफी अधिक बनी हुई हैं। डब्ल्यूएफपी ने चेतावनी दी कि विस्तारित सीमा बंद होने से खाद्य आयात में और बाधा आ सकती है, जिससे दीर्घकालिक मुद्रास्फीति दबाव बढ़ सकता है। लाखों अफगान पहले से ही खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। एजेंसी ने बाजार स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए स्थिर व्यापार मार्गों की आवश्यकता पर जोर दिया।

ईरान ने ब्रिटिश राजदूत को तलब किया, 'तेहरान विरोधी' रुख पर जताया विरोध

एजेंसी

तेहरान । ईरान ने ब्रिटेन के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा हाल ही में अपनाए गए 'तेहरान विरोधी' रुख के खिलाफ ब्रिटिश राजदूत ह्यूगो शॉर्टर को तलब किया।

ईरान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि ब्रिटिश दूत को ब्रिटिश अधिकारियों के ईरान के खिलाफ लगाए गए निराधार आरोपों पर विरोध जताने के लिए बुलाया गया।ईरानी विदेश मंत्रालय ने जारी बयान में कहा, ब्रिटिश दूत को वरिष्ठ ब्रिटिश अधिकारियों के ईरान के बारे में निराधार दावों और उनके इस आरोप के खिलाफ विरोध जताने के लिए बुलाया गया था कि तेहरान ब्रिटेन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना चाहता है। बैठक के दौरान, सहायक विदेश मंत्री अलीरेजा यूसुफी ने ब्रिटिश अधिकारियों के रुख की आलोचना करते हुए कहा, 'ब्रिटिश

अधिकारियों के पक्षपाती रुख और निराधार दावे अंतर्राष्ट्रीय कानून और कूटनीतिक मानदंडों के खिलाफ हैं, और इससे ईरानी लोगों में ब्रिटेन की नीतियों के प्रति अविश्वास बढ़ेगा।' उन्होंने ब्रिटिश सरकार से अपील की, 'ईरानी राष्ट्र के प्रति अपने असंरचनात्मक दृष्टिकोण (अनकंस्ट्रक्टिव अपरोच) पर पुनर्विचार करें और इसे संशोधित करें। साथ ही इस बैठक के दौरान ईरानी विदेश मंत्रालय के सहायक मंत्री अलीरेजा यूसुफी ने ब्रिटिश अधिकारियों से अपील की कि वे अपने दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करें और इसे अधिक संरचनात्मक और कूटनीतिक बनाएं। ब्रिटिश राजदूत ह्यूगो शॉर्टर ने कहा कि वह अपनी सरकार को ईरान के विरोध से अवगत कराएंगे। इससे पहले, ब्रिटेन की संसद में ब्रिटिश सुरक्षा मंत्री डैन जार्विस ने बयान दिया था, मैं पूरे ईरानी राज्य को, जिसमें उसकी खुफिया सेवाएं, इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स और खुफिया मंत्रालय शामिल हैं, आगामी फॉरेन इंफ्लूएंस रजिस्ट्रेशन स्कीम में रखूंगा। उन्होंने यह भी कहा, ब्रिटेन में लक्ष्यों के खिलाफ ईरान द्वारा प्रत्यक्ष कार्रवाई हाल के वर्षों में बढ़ी है, और आरोप लगाया कि ईरान असंतुष्टों, मीडिया संगठनों और पत्रकारों को निशाना बना रहा है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता एस्माईल बाघेई ने इन दावों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और ब्रिटेन से अपने असंरचनात्मक दृष्टिकोण को बदलने की अपील की।

दक्षिण कोरिया : फाइटर जेट ने अपने ही इलाकों में गिराए बम, 15 नागरिकों सहित 29 घायल

एजेंसी

सोल । दक्षिण कोरिया में एक फाइटर जेट ने नागरिक क्षेत्रों में गलती से बमबारी की जिसमें कई लोग घायल हो गए। दक्षिण कोरियाई रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस सप्ताह के शुरू में एक उत्तरी गांव में हुई इस बमबारी में 15 नागरिकों सहित कुल 29 लोग घायल हो गए हैं। दो केएफ-16 लड़ाकू विमानों ने सोल से लगभग 40 किलोमीटर उत्तर में पोचियोन में एक प्रशिक्षण रेंज के बाहर लाइव-फायर अभ्यास के दौरान %असामान्य रूप से% आठ एमके-82 बम गिराए, जिसके परिणामस्वरूप कई लोग घायल हो गए और इमारतों को नुकसान पहुंचा। मंत्रालय ने बताया कि बमबारी में 15 नागरिक और 14 सैन्यकर्मी घायल हो गए, जिनमें छह विदेशी भी शामिल हैं। इनमें से दो दक्षिण कोरियाई नागरिक गंभीर रूप से घायल हुए हैं।बयान के मुताबिक घायल हुए छह विदेशियों में चार थाई, एक नेपाली और एक म्यांमार का नागरिक शामिल है। इन सभी को मामूली चोटें आई हैं।

मंत्रालय के अनुसार, सात नागरिकों, जिनमें एक थाई और एक म्यांमार नागरिक शामिल हैं, और दो सैनिकों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है। तीन बमों पास के सैन्य अड्डे के अंदर गिरे जिसके चलते कुछ सैन्यकर्मी घायल हो गए। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, कार्यवाहक रक्षा मंत्री किम सोन-हो ने दुर्घटना के लिए माफी मांगी। क्षतिग्रस्त संपत्ति की मरम्मत करने और मुआवज़ा प्रदान करने के लिए हरसंभव प्रयास करने का वचन दिया गया। उन्होंने एक बयान में कहा, ÷पूरी जांच के माध्यम से, (हम) दुर्घटना के कारण को स्पष्ट रूप से निर्धारित करेंगे और ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक उपाय करेंगे। मंत्रालय ने नोगोक-री के बमबारी वाले गांव में बचाव प्रयासों का समर्थन करने के लिए एक तदर्थ समिति का गठन किया गया है। इस बीच, बमबारी के प्रति अपेक्षाकृत धीमी प्रतिक्रिया के लिए सेना की आलोचना हो रही है। घटना के एक मिनट बाद रिपोर्ट मिलते ही अग्निशमन अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की। लेकिन ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ को घटना पर अपनी पहली रिपोर्ट करीब 20 मिनट तक नहीं मिली। एक प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए वायुसेना के एक अधिकारी ने बताया कि पायलट की गलती से यह बमबारी हुई, क्योंकि उड़ान भरने से पहले जेट पायलटों में से एक ने लक्ष्य के निर्देशांक गलत तरीके से दर्ज किए थे।

रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने रात में 31 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया

एजेंसी

मॉस्को। रूसी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि रात रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने 31 यूक्रेनी ड्रोन को रोक दिया और उन्हें नष्ट कर दिया। मंत्रालय ने कहा,कल रात ड्यूटी पर तैनात वायु रक्षा प्रणालियों ने 31 यूक्रेनी मानव रहित हवाई वाहनों को रोका और उन्हें नष्ट कर दिया।इसने कहा कि क्रास्नोडार क्षेत्र में 26 ड्रोन, ब्रांस्क क्षेत्र में तीन तथा लेनिनग्राद और यारोस्लाव क्षेत्रों में एक-एक ड्रोन को मार गिराया गया।

अमेरिका में 15 साल में पहली बार हत्यारे को फायरिंग दस्ते ने दिया मृत्युदंड

वाशिंगटन। अमेरिका में हत्या के एक दोषी को फायरिंग दस्ते ने मृत्युदंड दिया। दक्षिण कैरोलिना के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि 15 वर्षों में यह अपनी तरह का पहली मौत की सजा है। दक्षिण कैरोलिना सुधार विभाग ने एक बयान में कहा, ब्रैड कीथ सिगमन की मौत की सजा आज रात को एस.सी. सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार और राज्य के कानून के अनुसार पूरी की गई। शाम 6:05 बजे तीन लोगों की फायरिंग स्क्वाड ने गोली मारकर उसे मौत की सजा दी। शाम 6:08 बजे एक चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ट्रेन दुर्घटना के मुद्दे पर सरकार के खिलाफ लाया गया एक और अविश्वास प्रस्ताव गिरा

एजेंसी

एथेंस । ग्रीस की घातक ट्रेन दुर्घटना की दूसरी वर्षगांठ के एक सप्ताह बाद, प्रधानमंत्री काइरियाकोस मित्सोताकिस की सरकार के खिलाफ इस मुद्दे पर लाया गया एक और अविश्वास प्रस्ताव गिर गया।

प्रस्ताव पर मतदान तीन दिनों की बहस के बाद हुआ। विपक्षी दलों ने 2023 की रेल दुर्घटना से निपटने के सरकार के तरीके की तीखी आलोचना की। विपक्षी दलों ने सत्तारूढ़ प्रशासन पर रेलवे क्षेत्र में व्यवस्थागत मुद्दों को हल करने में नाकाम रहने और पीड़ित परिवारों को पर्याप्त सहायता प्रदान नहीं करने का आरोप लगाया। यह दूसरी बार है जब सरकार को इस दुर्घटना की वजह से अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा। 28 मार्च, 2024 को भी विपक्षी दलों ने इसी तरह का प्रस्ताव पेश किया, जिसमें सरकार पर रेलवे प्रणाली में सुधार की उपेक्षा करने का आरोप लगाया गया। संसद में मित्सोताकिस की न्यू डेमोक्रेसी (एनडी) पार्टी के बहुमत से वह प्रस्ताव भी गिर गया था। यह दुखद हादसा 28 फरवरी, 2023 को मध्य ग्रीस के टेंपी के पास हुआ था। हादसे में 57 लोगों की मौत हुई थी और दर्जनों लोग घायल हुए थे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना से जनता में व्यापक आक्रोश फैला। पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हुए, रेलवे सुरक्षा सुनिश्चित करने में सरकार की नाकामी से लोग खासे नाराज थे। चार विपक्षी दलों ने बुधवार को संयुक्त रूप से अविश्वास प्रस्ताव पेश किया, जिसमें सरकार पर दुर्घटना की जांच को ठीक से न करने और वादा किए गए सुधारों को पूरा करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया गया।मजबूत विपक्ष के बावजूद, सत्तारूढ़ एनडी पार्टी ने प्रस्ताव को गिराने के लिए अपने संसदीय बहुमत का इस्तेमाल किया। 300 संसद सदस्यों (एमपी) में से 293 ने 'रोल-कॉल' वोट में भाग लिया। 157 ने प्रस्ताव के खिलाफ और 136 ने पक्ष में मतदान किया। सभी एनडी सदस्यों ने सरकार के समर्थन में मतदान किया, जबकि प्रत्येक विपक्षी सांसद ने अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष वोटिंग की। मित्सोटाकिस ने समापन भाषण में अपनी सरकार के कार्यों का बचाव किया। उन्होंने रेलवे सुरक्षा में सुधार के लिए उठाए गए कदमों पर जोर दिया, जैसे कि नई तकनीकें शुरू करना, कर्मचारियों के प्रशिक्षण को बढ़ाना और दुर्घटना के कारणों की गहन जांच करना। हालांकि, मित्सोताकिस के भाषण से विपक्षी दलों या जनता का गुस्सा शांत नहीं हुआ। बहस के दौरान, नेआ एरिस्टेरा (न्यू लेफ्ट) पार्टी से मान्यता प्राप्त पांच लोगों ने गैलरी से पर्चे फेंककर और नारे लगाकर सत्र को बाधित किया। पिछले त्रासदी की दूसरी वर्षगांठ के बाद से, ग्रीस और विदेशों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं, जिसमें सरकार से जवाबदेही और अधिक प्रभावी सुधारों की मांग की गई। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, एथेंस और थेसालोनिकी में झड़पें हुईं, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान संसद के बाहर गैसोलीन बम और फ्लेयर्स फेंके।

जत्रोफा - लाभकारी पौधा

सी एम शर्मा

जत्रोफा लगभग 175 प्रजाति की वनस्पतियों का समूह है जिसमें झाडियां और पौधे सम्मिलित हैं। इसके पौधे भारत, अफ्रिका, उत्तरी अमेरिका और कैरेबियन् जैसे ट्रापिकल क्षेत्रों में उत्पन्न होते हैं। यह एक बड़ा पादप है जो झाड़ियों के रूप में अर्द्ध शुष्क क्षेत्रों में उगता है।

इस पादप से प्राप्त होने वाले बीजों में 25-30 प्रतिशत तक तेल निकाला जा सकता है। इस तेल से कार आदि चलाये जा सकते हैं तथा जो अवशेष बचता है उससे बिजली पैदा की जा सकती है। जत्रोफा अनावृष्टि-रोधी सदाबहार झाडी है। यह कठिन परिस्थितियओं को भी झेलने में सक्षम है।

एक समय था जब जम्मू, साम्बा, कठुआ और उधमपुर में भी जट्रोफा के पौधे लगाने की होड़ शुरू की गई थी परन्तु हमारी सरकारों की विशेषता है की कार्य जल्दबाज़ी में शुरू हो कर बीच रास्ते में ही बंद कर दिए जाते हैं। जट्रोफा के साथ भी ऐसा ही हुआ। जट्रोफा से बायो-डीज़ल प्राप्त करने की बातें भी बहुत बड़े पैमाने पर चलीं लेकिन यूँ लगता है कि किसी भावावेश अथवा दबाव में इन्हें ठप्प कर दिया गया। इस पर गौर करने की ज़रुरत है। इस बात की गंभीरता यहां से ज़ाहिर होती है कि भारत में इसे व्यापक तौर पर बढ़ावा देने के सभी फीचर्स मौजूद हैं फिर यह थम क्यों गया। यदि कोस्टा-रीका जैसे देशों में यह सफल रहा तो भारत में क्यों नहीं।

खैर, जट्रोफा के बारे में कुछ जानकारी आपके लिए यहां-वहां से इकट्ठा की गई हैं जो आपके साथ साझा कर रहे हैं।

जम्मू में मुठी के स्थान पर रणबीर नहर के किनारे बाईं ओर लगाए गए जट्रोफा के 15 वर्ष आयु के पौधे।

सर्दियों के बाद दुबारा हरे भरे होने को तैयार।

इसके बीज सस्ते हैं

बीजों में तेल की मात्रा बहुत अधिक है (लगभग 37%)

इससे प्राप्त तेल का ज्वलन ताप (फ्लैश प्वाइंट) अधिक होने के कारण यह बहुत सुरक्षित भी है।

1.05 किग्रा जत्रोफा तेल से 1 किग्रा बायोडिजल पैदा होता है।

जत्रोफा का तेल बिना रिफाइन किये हुए भी इंधन के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

जत्रोफा का तेल जलाने पर धुआंरहित स्वच्छ लौ पैदा करता है।

थोडे ही दिनों लगभग दो वर्ष में इसके पौधे से फल प्राप्त होने लगते हैं

उपजाऊ भूमि और खराब उसर भूमि भूमि, दोनो पर इसकी उपज ली जा सकती है

कम वर्षा के क्षेत्रों 200 मिमी और अधिक वर्षा के क्षेत्रों, दोनों में यह जीवित रहता और फलता-फूलता है

वहां भी इसकी पैदावार ली जा सकती है जहां दूसरी फसलें नही ली जा सकतीं।

इसे नहरों के किनारे, सडकों के किनारे या रेलवे लाइन के किनारे भी लगा सकते हैं।

यह कठिन परिस्थितियों को भी सह लेता है।

इसकी खेती के लिये किसी प्रकार की विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं होती।

इसके पौधे की उंचाई भी फल और बीज इकट्ठा करने की दृष्टि से बहुत उपयुक्त है - जमीन पर खडे होकर ही फल तोडे जा सकते हैं।

फल वर्षा ऋतु आरम्भ होने के पहले ही पक जाते हैं, इसलिये भी फल इकट्ठा करना आसान काम है।

इसके पौधा लगभग 50 वर्ष तक फल पैदा करता है। बार-बार फसल लगाने की आवश्यकता नहीं होती।

इसको लगाना आसान है, यह तेजी से बढता है और इसको देखरेख की बहुत कम जरूरत होती है।

इसको जानवर नही खाते और कीट नही लगते। इस कारण इसकी विशेष देखभाल नहीं करनी पडती।

किसी भी पसल का प्रतिस्पर्धी नहीं है, बल्कि यह उन फसलों की पैदावार बढाने में मदद करता है।

जत्रोफा के करीब 1600 उपयोग गिनाये गये हैं।

इसके पौधे भू-क्षरण रोकने के लिये भी काम आते हैं

जत्रोफा की जडें जमीन से फास्फोरस सोखने का कार्य करती हैं - इसका यह गुण अम्लीय भूमि के लिये वरदान है

अपने पूरे जीवन के दौरान जमीन पर पत्तियां गिराता है जो भूमि की उर्वरा-शक्ति को बढाती हैं

इसके बीजों से तेल निकालने के बाद जो खली बचती है वह उच्च कोटि की जैविक खाद है (नाइट्रोजन से भरपूर)। इसे जानवरों को भी खिलाया जा सकता है क्योकि यह प्रोटीन से भरपूर होती है।

जानवर और कीडे इससे प्राकृतिक रूप से ही दूर भागते हैं। इसलिये इसका उपयोग बागों और खेतों की रक्षा के लिये चारदीवारी के रूप में भी किया जाता है।

इसके बीजों को पीसने पर जो तेल प्राप्त होता है उससे -

वाहनों के लिये बायोडिजल बनाया जा सकता है (बायोडिजल शत-प्रतिशत नवीनीकरणीय स्रोतों से बनाया जाता है। यह परम्परागत इंधनो का एक स्वच्छ विकल्प है। इसको भविष्य का इंधन माना जा रहा है। बायोडीजल में पट्रोलियम नहीं होता किन्तु इसे सम्यक अनुपात में पेट्रोलियम में मिलाकर विभिन्न प्रकार की गाडियों में प्रयोग किया जा सकता है। बायोडीजल विषैला नही होता; यह बायोडिग्रेडेबल भी है। बायोडिजल वानस्पतिक तेलों से प्राप्त अन्य वैकल्पिक इंधनों से भिन्न है। बायोडीजल को बिना किसी परिवर्तन किये ही डीजल इंजनों में प्रयोग कर सकते हैं जबकि वनस्पति तेलों से प्राप्त इंधनों को केवल इग्निशन कम्बस्शन वाले इंजनों में ही प्रयोग ला सकते हैं और वह भी कुछ परिवर्तनों के बाद। इस कारण, बायोडिजल प्रयोग में सर्वाधिक आसान इंधनों में से एक है। और सबसे अच्छी बात यह है कि खेती में काम आने वाले उपकरणों को चलाने के लिये सबसे उपयुक्त है। बायोडिजल जिस प्रक्रिया द्वारा निर्मित किया जाता है उसे ट्रान्स-इस्टरीकरण कहा जाता है। इस प्रक्रिया में वनस्पति तेल या वसा से ग्लीसरीन को निकालना होता है। इस प्रक्रिया में मेथिल इस्टर और ग्लीसरीन आदि सह-उत्पादभी मिलते हैं। बायोडीजल में सल्फर और अरोमैटिक्स नहीं होते जो कि परम्परागत इंधनों में पाये जाते हैं। बायोडिजल के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि यह दूसरे इंधनों की भांति पर्यावरण के लिये हानिकारक नहीं है। इसके अलावा यह ऐसे स्रोतों से प्राप्त होता है जो पुन: नवीन किये जा सकते हैं। परम्परागत इंधनों की तरह यह प्रदूषण करने वाला धुवां नही पैदा करता।

सीधे लालटेन में डालकर जलाया जा सकता है

इसे जलाकर भोजन पकाने के काम में लिया जा सकता है

इसके तेल के अन्य उपयोग हैं - जलवायु संरक्षण, वार्निश, साबुन, जैव कीट-नाशक आदि

इसके फूल और तने औषधीय गुणों के लिये जाने जाते हैं।

इसकी पत्तियां घाव पर लपेटने (ड्रेसिंग) के काम आती हैं।

इसके अलावा इससे चर्मरोगों की दवा, कैंसर, बाबासीर, ड्राप्सी, पक्षाघात, सर्पदंश, मच्छर भगाने की दवा तथा अन्य अनेक दवायें बनती हैं।

इसके छाल से गहरे नीले रंग की डाई और मोम

किचन गार्डनिंग क्या है?

जिज्ञासु दिलों के लिए, किचन गार्डनिंग नियमित बागवानी के समान नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि किचन गार्डन आमतौर पर छोटा और सौंदर्य की दृष्टि से अधिक मनभावन होता है। यह इस बात से मेल खाता है कि डिज़ाइन के संदर्भ में पूरा घर कैसा दिखता है। इसके अलावा, उत्पादन ताजा उपभोग के लिए है न कि बिक्री के लिए। सब्जियाँ, जड़ी-बूटियाँ और फल उगाने के लिए अनुकूल, किचन गार्डन अधिक व्यावहारिक और अधिक सुलभ हैं। वे देखने में बहुत सुंदर हैं।

किचन गार्डेनिंग के फायदे-

1. आपको अधिक घरेलू मौसमी सब्जियाँ और जड़ी-बूटियाँ खाने को मिलती हैं जो हानिकारक कीटनाशकों से मुक्त होती हैं।

2. जब आप इसे स्वयं उगाते हैं तो आपके भोजन में क्या शामिल है, इस पर बेहतर नियंत्रण होता है, जिससे यह एक स्वस्थ विकल्प बन जाता है।

3. किचन गार्डनिंग पूरे परिवार को शारीरिक गतिविधि में शामिल करने का एक बहुत ही स्वस्थ तरीका है।

4. किचन गार्डनिंग आपके घर के आस-पास की हवा को साफ करने में भी मदद करती है।

5. आपका किचन गार्डन आपके आस-पास के वातावरण को बेहतर बनाने में काफी मदद करता है।

अपना किचन गार्डन कहां लगाएं

किसी भी अन्य बगीचे की तरह, किचन गार्डन को भी उचित धूप की आवश्यकता होती है।

ये कुछ स्थान हैं जहां आप अपना खुद का किचन गार्डन बनाने पर विचार कर सकते हैं-

पिछवाड़े- पिछवाड़े सूर्य के प्रकाश, पानी और अन्य जुड़े तत्वों तक आसान पहुंच के कारण किचन गार्डन की खेती के लिए सबसे पसंदीदा क्षेत्र हैं।

पिछवाड़े का आकार वास्तव में मायने नहीं रखता क्योंकि आप स्टैक्ड किचन गार्डन का विकल्प चुन सकते हैं। यहां, आपको दीवारों पर पौधों की परतें मिलेंगी (जिन्हें वर्टिकल गार्डनिंग भी कहा जाता है)। यह वास्तव में जगह बचाने वाला है और जगह के समग्र सौंदर्य शास्त्र को जोड़ता है।

टेरेस- टेरेस एक और जगह है जहां आप अपना किचन गार्डन बनाने पर विचार कर सकते हैं। एकमात्र मुद्दा उनकी देखभाल करना होगा और आपको अपनी आपूर्ति लेने के लिए अतिरिक्त चक्कर लगाने होंगे। लेकिन ठीक तो है, %जितना अधिक प्रयास, उतना ही मीठा परिणाम।%

खिड़की की चौखट- यदि आपके पास जगह की समस्या है, तो खिड़की की चौखट आपके किचन गार्डन के लिए पौधों को रखने के लिए समान रूप से आशाजनक क्षेत्र बन जाती है। सबसे साधारण क्षेत्र को अत्यंत भव्य दिखाने के अलावा, आपको ताज़ी उपज भी मिलेगी।

गमले- यदि आप अपनी उपज उगाने के लिए गमलों (मिट्टी या प्लास्टिक) का उपयोग करने जा रहे हैं, तो आपको निम्नलिखित दो बातों का ध्यान रखना होगा-

पौधों को बढ़ने में मदद के लिए उचित स्थान उचित जल निकासी में मदद के लिए गमलों में छेद होना चाहिए।

प्रो-टिप- आप अपने किचन गार्डन के लिए दूध के डिब्बों, प्रयुक्त प्लास्टिक की बोतलों आदि को गमलों के रूप में उपयोग कर सकते हैं।

आप अपने किचन गार्डन के लिए जिस स्थान को चुनते हैं, उसे दिन में कम से कम 4 से 5 घंटे पर्याप्त धूप मिलनी चाहिए, अधिमानत: सुबह की धूप।

किचन गार्डन में उगाई जाने वाली सब्जियां-

यहां कुछ सब्जियां हैं जिन्हें आप उगा सकते हैं :-

टमाटर- टमाटर विशेष रूप से बढ़ती परिस्थितियों को पसंद करते हैं जिसमें मिट्टी का आदर्श पीएच स्तर 6 और 6.8 के बीच होता है। जब पौधा घर के अंदर 6 से 7 इंच तक बढ़ जाए, तो इसे बाहर प्रत्यारोपित किया जाना चाहिए, जहां इसे 7 से 8 घंटे तक सीधी धूप मिल सके। इसके अलावा आपके किचन गार्डन से जो टमाटर मिलेंगे, वे निश्चित रूप से आपकी स्वाद कलिकाओं को एक बेहतरीन यात्रा पर ले जाएंगे।

बैंगन- बैंगन को 5-6 घंटे की पूर्ण धूप की आवश्यकता होती है और आप इसे आसानी से अपने छत के बगीचे या किचन गार्डन में उगा सकते हैं।

मिर्च

प्याज़

भिंडी

करेला

धनिया

पुदीना- बुआई का सर्वोत्तम समय फरवरी से अप्रैल है। पुदीने के बीज को या तो घर के अंदर या बाहर उगाया जा सकता है। सुनिश्चित करें कि मिट्टी अच्छी तरह से सूखी है। आपके पास 2 महीने से भी कम समय में कटाई के लिए पुदीना तैयार होगा, हालाँकि, बीज दो सप्ताह में ही अंकुरित होने लगेंगे। एक बार जब पौधे अंकुरित हो जाएं, तो उन्हें धूप वाली जगह पर रखना चुनें। यहां तक कि आधा शेड भी काम करता है. हालाँकि, गहरी छाया की अनुशंसा नहीं की जाती है।

तुलसी- तुलसी की कई किस्में होती हैं (हरी तुलसी के बीज, बैंगनी तुलसी के बीज,तुलसी ग्रीक बॉल बीज, औरथाई तुलसी के बीज)। तुलसी पूरे वर्ष अच्छी तरह से बढ़ती है इसलिए आप वर्ष के लगभग किसी भी समय बीज खरीद सकते हैं। जबकि तुलसी 7 से 10 दिनों में अंकुरित हो जाती है, यह तीन से चार सप्ताह के भीतर कटाई के लिए तैयार हो जाती है। आप इसे घर के अंदर या बाहर उगा सकते हैं लेकिन सुनिश्चित करें कि इसे पर्याप्त धूप मिले। तुलसी याददाश्त बढ़ाने और तनाव कम करने के लिए जानी जाती है। इससे आपको इन्हें अपने घर के बगीचे में रखने के और भी अधिक कारण मिल जाते हैं।

लेमनग्रास- फरवरी से अप्रैल के महीनों में अच्छी तरह से पनपता है और इसके लिए अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी की आवश्यकता होती है। एक बार आप खरीद लेंलेमनग्रास के बीज, सुनिश्चित करें कि आप उन्हें ऐसे स्थान पर लगाएँ जहाँ उन्हें भरपूर धूप मिल सके। यदि मिट्टी की नमी ठीक न हो तो पत्तियाँ पीली या भूरी पड़ने लगती हैं। इसलिए, जड़ी-बूटी को अच्छी तरह से पानी देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन बातों को ध्यान में रखकर आप अपने किचन गार्डनिंग के अनुभव को आसान बना सकते हैं।

ये कुछ सब्जियाँ और जड़ी-बूटियाँ हैं जिन्हें आप अपने किचन गार्डन में उगा सकते हैं, लेकिन आप फल, मसाले, फूल और भी बहुत कुछ उगा सकते

बगीचे का रख रखाव-

अपने किचन गार्डन का रखरखाव पौधों के बीच सही दूरी रखने से शुरू होता है। जान लें कि आपको उन्हें इस तरह से रोपना होगा ताकि उनके पास बढ़ने और फलने-फूलने के लिए पर्याप्त जगह हो। जो पौधे एक साथ रखे जाते हैं वे नमी के कारण मर जाते हैं।

अपने किचन गार्डन को बनाए रखने के लिए एक और युक्ति यह है कि पौधों की अच्छी तरह से काट-छाँट करें। स्वस्थ उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए इसे नियमित रूप से करें। जो लोग नहीं जानते, उनके लिए छंटाई मृत या सूखी पत्तियों को काटने की प्रक्रिया है। यह पौधों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है, जिससे वे स्वस्थ और तेजी से बढ़ते हैं। आप वर्ष के किसी भी समय छंटाई की प्रक्रिया अपना सकते हैं। आप अपने पौधों की जितनी अधिक छँटाई करेंगे, वे उतना ही अधिक फलेंगे-फूलेंगे। तेजी से साफ कटौती करने के लिए प्रूनर्स, जिन्हें क्लिपर्स भी कहा जाता है, का उपयोग करना सबसे अच्छा

कुदरती खेती का आधार

किसान ऋषि कृषि करके अपने सारे खर्च को बहुत ही कम या बिलकुल खत्म भी कर सकता है। आइये जानते हैं ऋषि कृषि, कुदरती खेती या प्राकृतिक कृषि या ज़ीरो बजट खेती क्या है? हमारे किसान भाई इसको अपना कर कैसे लाभ उठा सकते हैं। आज इस लेख मे हम आपको जीवामृत बनाने की विधि बतायंगे जिसके द्वारा हमारे किसान भाई घर मे ही खाद तैयार कर सकेंगे और उन्हे बाज़ार में पैसे खर्च नहीं करने पड़ेंगे।

जैसा कि आप जानते ही हैं कि हमारे ऋषि कुदरती चीजों का प्रयोग करके ही उत्तम गुणवत्ता के अनाज एवं फलों का उत्पादन किया करते थे। ऋषि लोग जिस पोशक घोल का प्रयोग करते थे उसे ही आज कल लोग जीवामृत के नाम से जानते हैं।

जीवामृत निर्माण सामग्री

1 देशी गाय का गोबर 10 किलो ग्राम

2 देशी गाय का मूत्र 5-10 लीटर

3 पानी 200 लीटर

4 किसी भी दाल का बेसन 1-2 किलो ग्राम

5 गुड 1-2 किलो ग्राम

6 पुराने पेड के नीचे कि मिट्टी 1

ऊपर लिखी हुई सारी सामग्री हर किसान के घर मे उपलब्ध होती है। इसलिए उसे बाज़ार मे पैसे खर्च नहीं करने पड़ेंगे। खेती के लिए सभी पोशक तत्वों का प्रबंध हो जाएगा।

ऊपर लिखी सारी सामग्री को एक बड़े से प्लास्टिक के ड्रम मे डालकर लकड़ी के एक डंडे से घड़ी की सुइयों की दिशा मे घोलना है। जब आपको लगे कि सब तत्व सही मिल गए हैं तो इसको बोरी से ढक कर रखना है। ये ध्यान रखे कि इस ड्रम को छाया मे ही रखे सीधे धूप के संपर्क मे नहीं होना चाहिए। तीन दिन मे ही यह घोल उपयोग योग्य हो जाएगा। लेकिन तीन दिन तक सुबह शाम इस घोल को उपरोक्त विधि अनुसार दो बार लकड़ी के डंडे से दो मिनट तक घोलना है। इस प्रक्रिया मे घोल के सड़ने से अमोनिया, कार्बनमोनोक्साइड, कार्बनडाइऑक्साइड और मीथेन जैसी गैसों का निर्माण होता है।

जीवामृत बनाना बहुत ही आसान है। लेकिन यदि आप इस घोल को बनाने के बाद स्प्रे के रूप मे प्रयोग करना चाहते हो तो आपको इसे छानने की विधि समझनी पड़ेगी।

सबसे पहले एक बड़ा सा नल वाला जार लीजिये। उसमें सबसे पहली परत बड़े पत्थर की लगाए। उसके ऊपर छोटे पत्थर की परत बिछाये। फिर आपको रेत की परत बिछानी है। उसके ऊपर प्लास्टिक की जाली लगानी है और सबसे ऊपर कपड़ा बिछाना है। ये आपका जीवामृत छानने का यंत्र तैयार है। अब इसमे जीवामृत का तैयार घोल डाल दो। जो भी फ़िल्टर हो के निकलेगा उसे हम स्प्रे के लिए प्रयोग कर सकते हैं ।

जीवामृत बनने के बाद सात दिन तक कभी भी उपयोग मे ला सकते हैं। सात दिन बाद बचे हुए जीवामृत को पानी के साथ उपयोग मे नहीं लाना चाहिए।

इस तरह से तैयार जीवामृत को महीने मे एक या दो बार उपलब्धता के अनुसार 200 लीटर प्रति एकड़ के हिसाब से सिंचाई के पानी मे मिला कर देना चाहिए। ऐसा करने से खेती मे चमत्कार के रूप मे बदवार होगी। और बंजर जमीन पर भी फसल लहलहा उठेगी।

सभी फसलों जैसे कि गन्ना, केला, गेंहू, मक्का, ज्वार, बाजरा, अरहर, मूंग, उड़द, चना, सूरजमुखी, कपास, अलसी, प्याज, मिर्च, सरसों, हल्दी, अदरक, बैंगन, टमाटर,आलू, लहसुन, हरी सब्जियाँ, फूल, औषधीय पौधे, एवं सुगंधित पौधे आदि सभी पर 2 से लेकर 8 महीने तक जीवामृत का एक से लेकर तीन बार प्रति महीने छिड़काव करें।

खड़ी फसल पर जीवामृत का छिड़काव-

किसान भाई बीज बुआई के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 100 लीटर पानी और 5 लीटर जीवामृत (कपड़े से छाना हुआ) मिलाकर छिड़काव करें।

आप पहले छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 20 लीटर जीवामृत को मिला कर छिड़काव करें।

दूसरे छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 5 लीटर खट्टी छाछ या लस्सी मिला कर छिड़काव करें।

बीज बुआई के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 100 लीटर पानी और 50 लीटर कपड़े से छाना हुआ जीवामृत मिलकर छिड़काव करें।

पहले छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 150 लीटर पानी और 10 लीटर छाना हुआ जीवामृत मिलाकर छिड़काव करें।

दूसरे छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 20 लीटर जीवामृत को मिला कर छिड़काव करें।

यदि फसल के दाने दूध की अवस्था मे या फल बाल्यावस्था में हों तो प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 5 लीटर खट्टी छाछ या 2 लीटर नारियल का पानी मिलाकर छिड़काव करें।

बीज बुआई के एक माह बाद प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 5 लीटर कपड़े से छाना हुआ जीवामृत मिलाकर छिड़काव करें।

पहले छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 150 लीटर पानी और 10 लीटर छाना हुआ जीवामृत मिलाकर छिड़काव करें।

दूसरे छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 200 लीटर पानी और 5 लीटर खट्टी छाछ या लस्सी मिला कर छिड़ काव करें।

तीसरे छिड़काव के 21 दिन बाद प्रति एकड़ 200 लीटर पानी 20 लीटर जीवामृत मे मिलाकर छिड़काव करें।